राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश राजस्थान हरियाणा छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 यह जीत भारत के लिए : सूर्यकुमार | सम्पादकीय राजधानी दिल्ली में गुमशुदगी को लेकर दावे बहुत | भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता 5

वर्ष 12 अंक 309 E-mail: dholpur@hotmail.com फरीदाबाद, मंगलवार 17 फरवरी 2026 ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

1.4 बिलियन लोगों की शक्ति से प्रेरित भारत एआई परिवर्तन में अग्रणी स्थान पर: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ने दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट में वैश्विक नेताओं का स्वागत किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट में विश्व भर के नेताओं, उद्योगपतियों, नवोन्मेषकों, नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं और प्रौद्योगिकी को लेकर उत्साही व्यक्तियों का स्वागत किया।

'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' की थीम पर आधारित यह शिखर सम्मेलन, मानव-केंद्रित प्रगति और समावेशी विकास के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री ने स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कृषि, शासन और उद्यम सहित विभिन्न सेक्टरों में एआई की परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि शिखर सम्मेलन में होने वाली चर्चाएं एआई के नवाचार, सहयोग और जिम्मेदार उपयोग पर वैश्विक विमर्श को समृद्ध करेंगी, जिससे एक प्रगतिशील, नवोन्मेषी और अवसर-उन्मुख भविष्य का निर्माण होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक एआई परिवर्तन में भारत के नेतृत्व पर बल दिया, जो इसकी 1.4 बिलियन की जनसंख्या, मजबूत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम और अत्याधुनिक अनुसंधान की शक्ति से प्रेरित है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि एआई में भारत की प्रगति महत्वाकांक्षा और जिम्मेदारी दोनों को दर्शाती है, जिसने देश को प्रौद्योगिकीय उन्नति में अग्रणी स्थान पर ला खड़ा किया है।

उन्होंने कहा, 'भारत की 1.4 बिलियन जनता की बदौलत हमारा देश एआई परिवर्तन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना से लेकर एक जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम और अत्याधुनिक अनुसंधान तक, एआई में हमारी प्रगति महत्वाकांक्षा और जिम्मेदारी दोनों को दर्शाती है।'

आगामी 25 वर्ष में प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय 22.50 लाख रुपए करने का है लक्ष्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव अभ्युदय इंडस्ट्री लीडरशिप कॉन्क्लेव 2026 में हुए शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं विद्यान हैं। औद्योगिक निवेश प्राप्त करने, सोलर एनर्जी उत्पादन, कृषि उत्पादन सहित अनेक मामलों में मध्यप्रदेश, देश का अग्रणी राज्य है। उन्होंने कहा कि विकसित भारतञ्च2047 में मध्यप्रदेश की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। हमारी सरकार ने मध्यप्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए सभी क्षेत्रों के लिए 25 वर्षों का दृष्टिपत्र तैयार किया गया है। प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय अभी 1 लाख 55 हजार रुपए है। अगले 25 साल में इसे 22 लाख 50 हजार करने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम कृषि क्षेत्र में लंबे समय से अग्रणी है, लेकिन एमएसएमई प्रदेश के औद्योगिक विकास की रीढ़ (बैक बोन) है। राज्य सरकार एमएसएमई और लघु-कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित 'अभ्युदय इंडस्ट्री लीडरशिप कॉन्क्लेव 2026' में एक निजी मीडिया संस्थान के संपादक श्री प्रफुल्ल केटकर के साथ चर्चा में यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चर्चा के दौरान प्रदेश की प्रगति, औद्योगिक विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन से संबंधित प्रश्नों का बेबाकी से उत्तर दिया।

प्रदेश में लागू की 18 नई औद्योगिक नीतियों की विशेषताओं पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य में औद्योगिक विकास बड़े शहरों के साथ छोटे शहरों तक भी पहुंचे, इसके लिए संभागीय स्तर पर अलग-अलग सेक्टर्स पर केंद्रित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित की गई हैं। माइनिंग, टेक्सटाइल, टूरिज्म सहित अनेक क्षेत्रों में विकास की अपार संभावनाएं हैं। कटनी और शहडोल में माइनिंग सेक्टर में निवेश के लिए देश के शीर्ष उद्योगपति आगे आए हैं। नर्मदापुरम के बाबई-मोहासा में इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट्स तैयार करने के लिए औद्योगिक क्षेत्र विकसित हो रहा है, जहां उद्योग शुरू करने के लिए तेजी से निवेशक आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश का युवा रोजगार देने वाले बनें, इसलिए स्वरोजगार और युवा उद्यमियों को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रोत्साहन दिया जा रहा है। प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को भी नई गति मिली है। होम-स्टे से पर्यटकों को सुविधा मिलने के साथ ग्रामीणों को रोजगार के अवसर भी मिल रहे हैं। यही कारण है कि प्रदेश में बेरोजगारी दर तेजी से घट रही है। अब मध्यप्रदेश मात्र 1 से डेढ़ प्रतिशत बेरोजगारी दर वाला राज्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में एमएसएमई सेक्टर को प्रोत्साहन देने के साथ ही रोजगार आधारित उद्योग स्थापित करने पर निवेशकों को विशेष अनुदान दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की समृद्धि के लिए कृषि उत्पादन के साथ फूड प्रोसेसिंग और पशुपालन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषक कल्याण वर्ष में हमारा संकल्प है कि प्रदेश के किसान आत्मनिर्भर और समृद्ध हों। पशुपालन और दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए नई योजनाओं को लागू कर रहे हैं। राज्य सरकार ने प्रदेश में दूध उत्पादन 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य रखा है। राज्य का सिंचाई रकबा तेजी से बढ़ रहा है। पिछले डेढ़ साल में ही 7.5 लाख हैक्टेयर सिंचाई का रकबा बढ़ा है, इसे 100 लाख हैक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य है। नर्मदा का जल क्षिप्रा नदी में पहुंचने से मालवा अंचल के किसानों को भी लाभ मिला है।

भारत के ग्रैंड मुफ्ती शेख अबूबक्र अहमद ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की

नई दिल्ली। भारत के ग्रैंड मुफ्ती, शेख अबूबक्र अहमद ने आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। बैठक के दौरान, उन्होंने विभिन्न विषयों पर अपने विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रधानमंत्री ने सामाजिक सद्भाव, भाईचारे को बढ़ावा देने और देशभर में शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए ग्रैंड मुफ्ती के सराहनीय प्रयासों की सराहना की।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर

एक पोस्ट में लिखाः

'भारत के ग्रैंड मुफ्ती, शेख अबूबक्र अहमद साहब के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। हमने विभिन्न मुद्दों पर अपने विचारों का आदान-प्रदान किया। सामाजिक सद्भाव, भाईचारे को आगे बढ़ाने और शिक्षा में सुधार के लिए उनके प्रयास अत्यंत सराहनीय हैं।'

प्रदेश में वन्य जीव पर्यटन को किया जाए प्रोत्साहित : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई मध्यप्रदेश राज्य वन्य प्राणी बोर्ड की बैठक

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में वन्य जीवों के संरक्षण के दिशा में हो रहे बेहतर कार्य के परिणाम स्वरूप प्रदेश में वन्य जीवों की संख्या में वृद्धि हुई है। इस स्थिति में मानव-वन्य जीव सह अस्तित्व को प्रोत्साहित करने के लिए जनता को जागरूक करने तथा उन्हें आवश्यक सतर्कता बरतने के उपायों की जानकारी देना आवश्यक है। इसके साथ ही वन विभाग द्वारा पर्यटन विभाग से समन्वय करते हुए प्रदेश में वन्य जीव पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए गतिविधियां संचालित की जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्कूली बच्चों को वन और वन्य जीवों से परिचित कराने के लिए संचालित किऐ जा रहे अनुभूति कार्यक्रम का विस्तार करने और इस गतिविधि में अधिक से अधिक शालाओं को शामिल करने की आवश्यकता बताई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश राज्य वन्य प्राणी बोर्ड की मंत्रालय में हुई 31वीं बैठक में यह निर्देश दिए। बैठक में वन राज्यमंत्री श्री दिलीप अहिरवार, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल, प्रमुख सचिव वन श्री संदीप यादव सहित वन विभाग के अधिकारी और वन्य प्राणी बोर्ड के सदस्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश से अन्य राज्यों को वन्य जीव उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके बदले में उन राज्यों से भी वन्य जीव मध्यप्रदेश लाए जाएं। इससे प्रदेश में वन्य जीवों की विविधता बढ़ेगी। उन्होंने वन्य जीव प्रबंधन में अन्य राज्यों द्वारा किए जा रहे नवाचारों और बेस्ट प्रेक्टिसेस को अपनाने की बात भी कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विश्वविद्यालयों तथा अन्य संस्थाओं को जोड़कर वन और वन्य जीव के संबंध में अध्ययन प्रक्रिया को प्रोत्साहित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन क्षेत्र में विद्यमान पुरातात्विक धरोहरों के संरक्षण की श्रेष्ठ व्यवस्था हो, वन और पुरातत्व विभाग तथा इस क्षेत्र में कार्य करने वाली संस्थाओं की कार्यशाला भी आयोजित की जाए। बैठक में प्रदेश में बढ़ रही हाथियों की संख्या को दृष्टिगत करते हुए हाथियों पर केंद्रित पर्यटन गतिविधियां संचालित करने के संबंध में चर्चा हुई। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलगुरू श्री विजय मनोहर तिवारी ने हाथी प्रबंधन पर विश्वविद्यालय द्वारा आलेख लेखन का प्रस्ताव रखा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सर्पदंश की घटनाओं में प्रभावितों की जान बचाने के उद्देश्य से प्रत्येक ग्राम पंचायत में कम से कम 2 व्यक्तियों को सांप पकड़ने तथा प्रभावित को बचाने के लिए प्रारंभिक रूप में सहायता करने संबंधी आवश्यक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए। सांपों के संबंध में आवश्यक जागरूकता और सर्तकता बरतने के उपायों का भी प्रचार-प्रसार आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डॉग स्क्वाड में देशी नस्ल के डॉग शामिल करने के लिए भी पहल करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को वन्य प्राणी संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में उपलब्धियों के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि गांधी सागर अभयारण्य, वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व और कूनो नेशनल पार्क में 846 कृष्ण मृग और 67 नीलगायों का सफल पुनर्स्थापन किया गया। वन विहार नेशनल पार्क भोपाल से 6 मगरमच्छों को ओंकारेश्वर क्षेत्र में उनके प्राकृतिक अवास में सफल रूप से छोड़ा गया। पेंच टाइगर रिजर्व से राम टाइगर रिजर्व राजस्थान के लिए एक मादा टाइगर भेजी गई है।

रामकथा ही संस्कारों की ढाल, धर्म से ही राष्ट्र का संरक्षण : डॉ. कुमार विश्वास

सत्य व धर्म का साथ छोड़ने वाले नष्ट हो जाते हैं

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

डबरा, (ग्वालियर)। डबरा नवग्रह शक्ति पीठ प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के छठवें दिन आयोजित रामकथा के समापन अवसर पर प्रसिद्ध कवि एवं विचारक डॉ. कुमार विश्वास ने धर्म, सत्य, परिवार और राष्ट्र के महत्व पर अत्यंत सारगर्भित और ओजस्वी उद्बोधन दिया। अपनी चर्चित 'अपने-अपने राम' कथा के माध्यम से उन्होंने कहा कि परिवार और संस्कार ही समाज की रक्षा कर सकते हैं, और संस्कारों की जड़ रामकथा में निहित है।

डॉ. कुमार विश्वास ने कहा कि आज का मानव छोटी-छोटी निराशाओं में टूट जाता है, जबकि भगवान श्रीराम का जीवन संघर्षों के बीच भी संयम, धैर्य और धर्म पर अडिग रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि राजपाट से वनवास, पत्नी वियोग और भ्राता लक्ष्मण की मूर्छा जैसी कठिन परिस्थितियों के बावजूद श्रीराम का संयम यह सिखाता है कि धर्म से जुड़ा मन कभी टूटता नहीं।

राम चरित्र से राष्ट्र चरित्र की रक्षा

उन्होंने राम चरित्र की तुलना राष्ट्र चरित्र से करते हुए कहा कि यदि राष्ट्र का चरित्र नष्ट हो जाए तो उसका कोई विकल्प नहीं होता। रामकथा हमें यह सिखाती है कि परिवार, समाज और राष्ट्र एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। परिवार में प्रेम और संस्कार नहीं होंगे तो समाज कमजोर होगा और समाज कमजोर हुआ तो राष्ट्र अस्थिर हो जाएगा।

संस्कारों पर हो रहे आक्रमण से सावधान

डॉ. कुमार विश्वास ने कहा कि आज आधुनिक माध्यमों के जरिए परिवार और संस्कारों पर निरंतर प्रहार हो रहा है, जिससे **शेष पृष्ठ 5 पर...**

जो सत्ता उधार है, वह परमार्थ नहीं-वह मिथ्या है; और जो स्वयंसिद्ध है, वही ब्रह्म है: स्वामी श्री अवधेशानंद जी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

हरिद्वार। श्रीमत् परमहंस, परिव्राजकाचार्य, श्रोत्रिय, ब्रह्मनिष्ठ, जूनापीठाधीश्वर, आचार्य महामण्डलेश्वर, अनंत श्री विभूषित स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज ने कहा कि - ब्रह्मणः सर्वभूतानि जायन्ते परमात्मनः। तस्मादेतानि ब्रह्मैव भवन्तित्यवधारयेत् ।।49।।

(भगवद्पादाचार्य आदि शंकराचार्य द्वारा रचित अपरोक्षानुभूति)

स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि - इस श्लोक में भगवत्पाद आदि शंकराचार्य साधक को अद्वैत के अत्यन्त निर्णायक निष्कर्ष तक ले जाते हैं। उत्पत्ति का कथन भी अन्ततः अभेद के निश्चय हेतु है। 'परमात्मा' शब्द यहाँ किसी सीमित देवता का नहीं, अपितु उस निर्विशेष, अद्वय ब्रह्म का बोध कराता है, जो समस्त नाम-रूपों का अधिष्ठान है। अतः 'ब्रह्मणः सर्वभूतानि जायन्ते' यह वाक्य बाह्य दृष्टि से सृष्टि-क्रम का वर्णन प्रतीत होता है, पर शाङ्कर-मत में यह वर्णन साधक की बुद्धि को क्रमशः उन्नत करने वाला उपाय-वाक्य है; इसका लक्ष्य यह स्थापित करना है कि जो कुछ भी 'दिखता' है, वह कारण से भिन्न कोई दूसरी सत्ता नहीं।

स्वामी जी ने कहा कि - श्रुति का प्रसिद्ध वाक्य 'यतो वा इमानि भूतानि जायन्ते' सृष्टि का मूल कारण बताकर वहीं लौटाता है कि जिससे उत्पन्न, जिससे स्थित, जिसमें लीन वही सत्य है। और फिर वही श्रुति दूसरी ओर यह भी कह देती है - 'सर्वं खल्विदं ब्रह्म' अर्थात् यह सब परमार्थतः ब्रह्म ही है। यही द्विविध शैली (पहले कारण-कथन, फिर अभेद-प्रतिपादन) वेदान्त की शिक्षण-पद्धति है अध्यारोप-अपवादः पहले जगत् को 'उत्पन्न' कहकर कारण की ओर बुद्धि मोड़ना, फिर अन्ततः यह निरूपित करना कि 'उत्पन्न' भी वास्तव में नाम-रूप मात्र है, सत्य तो एक ही ब्रह्म है।

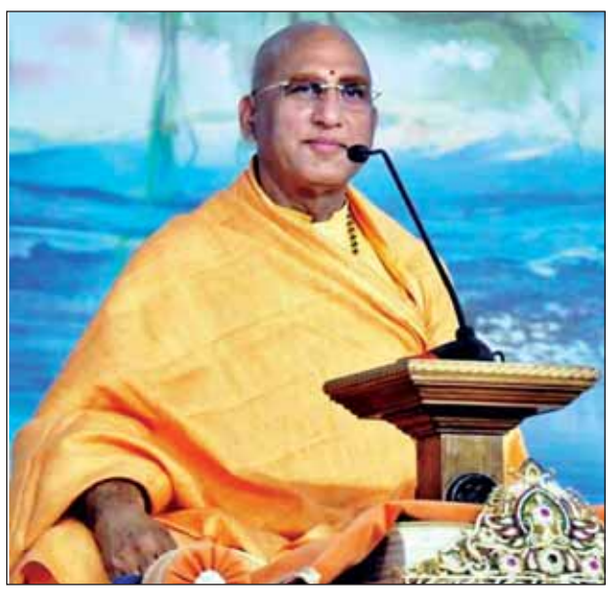

स्वामी जी ने कहा कि - अब प्रश्न उठता है यदि 'सब ब्रह्म ही है ', तो 'जायन्ते' (उत्पत्ति) कैसे समझें? भगवत्पाद शङ्कराचार्य की दृष्टि में ब्रह्म से जगत् की उत्पत्ति परिणाम (वास्तविक रूपान्तरण) नहीं, अपितु विवर्त (अविद्या-आश्रित आभास) है। जैसे मृत्तिका से घट का व्यवहारिक उद्भव कहा जाता है, पर सत्यतः 'घट' नाम-रूप है और मृत्तिका ही पदार्थ है। वैसे ही यहाँ 'भूत' नाम-रूपात्मक व्यवहार है और ब्रह्म ही अधिष्ठान-सत्ता। इसलिए श्लोक का दूसरा चरण अत्यन्त निर्णायक है' तस्माद् एतानि ब्रह्मैव भवन्ति ': कारण ब्रह्म होने से कार्य का स्वतंत्र 'अन्यत्व' सिद्ध नहीं होता; कार्य की सत्ता कारण से ही उधार है। जो सत्ता उधार है, वह परमार्थ नहीं-वह मिथ्या है; और जो स्वयंसिद्ध है, वही ब्रह्म है। स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि - यही बात श्रीमद्भगवद्गीता में भी व्यापक रूप से प्रतिध्वनित होती है - समस्त जगत् परमात्मा में व्याप्त है, और वही सबका आधार है; बहुरूपता उसके भीतर ही अधिष्ठित है, उससे बाहर कोई दूसरा सत्य नहीं। Brahma Sutras का 'जन्माद्यस्य यतः' भी उसी श्रुति-सार को सूत्रबद्ध करता है कि जगत् की उत्पत्ति-स्थिति-लय का कारण वही परब्रह्म है और शाङ्कर-भाष्य इस कारणता को अन्ततः अद्वैत-सिद्धान्त की पुष्टि के लिए ही ग्रहण करता है, न कि द्वैत-स्थापन के लिए।

स्वामी जी ने कहा कि - अतः भगवत्पाद का उपदेश 'त्यवधारयेत्' दृढ़ निश्चय कर इस पर समाप्त होता है कि यह जगत् ब्रह्म से अलग नहीं। साधक के लिए यही साधना-फल हैः दृष्टि में यह परिवर्तन कि 'सब वस्तुएँ ब्रह्म के सामने खड़ी दूसरी वस्तुएँ नहीं, ब्रह्म में ही प्रतीत नाम-रूप हैं।' जब यह निश्चय स्थिर होता है, तब बहिरंग विविधता के बीच भी अन्तरंग सत्य एक ही चमकता है! ब्रह्म ही कारण है, ब्रह्म ही कार्य-रूप से प्रतीत है, और ब्रह्म ही एकमात्र परम सत्य है।

महामंडलेश्वर संतोषानंद महाराज का ग्वालियर आगमन पर हुआ अभिनंदन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
ग्वालियर। पीठाधीश्वर अवधूत मंडल आश्रम महामंडलेश्वर सन्तोषानंद महाराज हरिद्वार गत 14 फरवरी को शारदा होटल नई सड़क लश्कर पधारे। श्री श्री 1008महामंडलेश्वर स्वामी संतोषानंद महाराज हरिद्वार पीठाधीश्वर अवधूत मंडल आश्रम कलचुरी महासंघ ग्वालियर समस्त पधाधिकारी, महिला मंडल, युवा पदाधिकारी, सदस्य द्वारा महाराजश्री का सम्मान स्वागत किया गया, जिसमें श्रीमती उर्मिला शिवहरे, राजकुमारी शिवहरे, सतीश जायसवाल, भजनलाल राय, देशराज महाजन, राकेश शिवहरे, संजय शिवहरे, रामप्रकाश शिवहरे, प्रदीप जायसवाल, महेश जायसवाल, राजेश जायसवाल, विजय गुप्ता, हुकम जायसवाल, कमल जायसवाल, रिशव महाजन, अंकित शिवहरे, राजेंद्र जायसवाल, अंतूराम शिवहरे, पूरन शिवहरे, योगेश शिवहरे, देवेंद्र शिवहरे महाराज जी का स्वागत आतिशबाजी से शुरू होकर फूलमाला, बेज माला, शॉल, श्री फल पट्टा पहना कर मीठा खिलाया गया। सभी पदाधिकारी महिला मंडल सदस्ययों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था अंकित शिवहरे शारदा होटल संचालक द्वारा की गई। सभी का आभार व्यक्त किया। यह जानकारी दी संस्थापक सतीश जायसवाल, अध्यक्ष भजनलाल राय, महामंत्री देशराज महाजन, कोषाध्यक्ष राकेश शिवहरे कलचुरी महासंघ ग्वालियर ने दी।

बंगाल बॉक्सिंग फ़ाउंडेशन की एनुअल जनरल मीटिंग व चुनाव सम्पन्न: डॉ. राकेश मिश्र

शरद भूटोरिया अध्यक्ष एवं गौरव गोस्वामी बंगाल बॉक्सिंग फाउंडेशन के महासचिव निर्वाचित: विदिशा चंदा

बंगाल से प्रारंभ हुआ इंडियन एमेच्योर बॉक्सिंग फ़ेडरेशन का ऐतिहासिक सफ़र भी रहा चर्चा का केंद्र: राकेश ठाकरान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
कोलकाता। बंगाल बॉक्सिंग फ़ाउंडेशन की एनुअल जनरल मीटिंग (AGM) का आयोजन कोलकाता में सफलतापूर्वक किया गया। बैठक में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत संगठन के नए पदाधिकारियों का चुनाव किया गया, जिसमें शरद भूटोरिया को सर्वसम्मति से अध्यक्ष तथा गौरव गोस्वामी को महासचिव निर्वाचित किया गया। निर्वाचन अधिकारी ने बंगाल के सभी ज़िला बॉक्सिंग संघों की उपस्थिति में परिणामों की औपचारिक घोषणा की।

बैठक से पूर्व खिलाड़ियों का आत्मीय स्वागत

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुआ अभिनंदन: गौरव गोस्वामी

एनुअल जनरल मीटिंग से पूर्व इंडियन एमेच्योर बॉक्सिंग फ़ेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र का बॉक्सिंग खिलाड़ियों ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर स्वागत किया गया।

दीप प्रज्वलन से बैठक का शुभारंभ

कोलकाता के न्यू मार्केट स्थित होटल लिंडसे में आयोजित हुआ कार्यक्रम
बैठक का आयोजन कोलकाता के न्यू मार्केट क्षेत्र स्थित होटल लिंडसे में किया गया। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर पूर्व सांसद लॉकेट चटर्जी की विशेष उपस्थिति रही।श्री राजकुमार छाजेर सहित सभी अतिथियों को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय नेतृत्व की गरिमामयी उपस्थिति

बैठक में IABF के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र के साथ श्री राकेश ठकरान महासचिव भी विशेष अतिथि के रूप में पूरे समय उपस्थित रहे। उन्होंने संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण और खिलाड़ियों के भविष्य से जुड़े विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

बंगाल से प्रारंभ हुआ ढ्ढक्क्र का ऐतिहासिक सफ़र

भारतीय मुक्केबाज़ी के संगठित स्वरूप की नींव बनी बंगाल की धरती
बैठक के दौरान भारतीय मुक्केबाज़ी के इतिहास और विकास पर भी विस्तार से चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि भारतीय बॉक्सिंग के संगठित और अनुशासित स्वरूप की नींव बंगाल की भूमि से पड़ी, जहाँ से बॉक्सिंग को एक तकनीकी, अनुशासित एवं प्रतिस्पर्धात्मक खेल के रूप में विकसित करने की परंपरा प्रारंभ हुई। इसी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से आगे बढ़ते हुए इंडियन एमेच्योर बॉक्सिंग फ़ेडरेशन (IABF) ने देशभर में एमेच्योर बॉक्सिंग को एक सशक्त राष्ट्रीय मंच प्रदान किया।

IABF की प्रमुख उपलब्धियाँ

राष्ट्रीय संरचना से अंतरराष्ट्रीय मान्यता तक
- देश के विभिन्न राज्यों में संगठित एमेच्योर बॉक्सिंग ढांचे की स्थापना
- खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, रेफरी एवं जजों के लिए मानकीकृत नियम और प्रशिक्षण प्रणाली
- राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रतिभाशाली बॉक्सरों को अवसर
- इंटरनेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन (IBA) द्वारा IABF को पूर्ण अंतरराष्ट्रीय संबद्धता
- भारतीय बॉक्सिंग को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित करने की ठोस पहल

IABF का उद्देश्य
खिलाड़ी-केंद्रित और भविष्य-सुरक्षित मॉडल
IABF का स्पष्ट उद्देश्य है कि प्रत्येक भारतीय बॉक्सर को खेल के दौरान आर्थिक सहयोग, आधुनिक सुविधाएँ और उच्च स्तरीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए, जिससे वे देश और विदेश में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें और एक सम्मानजनक खेल-करियर बना सकें।

IABF के आगामी कार्यक्रम (बिंदुवार):

भारतीय बॉक्सिंग के सशक्त भविष्य की रूपरेखा

- प्रोफेशनल बॉक्सिंग लीग की स्थापना
- नियमित आय, पेशेवर मंच और व्यावसायिक पहचान के लिए
- राष्ट्रीय एमेच्योर बॉक्सिंग प्रतियोगिताएँ
- सीनियर, जूनियर एवं युवा वर्ग हेतु
- राज्य व ज़िला इकाइयों का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण
- संगठनात्मक मजबूती और पारदर्शिता के लिए
- कोच, रेफरी एवं जज प्रशिक्षण कार्यक्रम
- अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तकनीकी विकास
- प्रतिभा खोज एवं जमीनी स्तर के कार्यक्रम
- स्कूल-कॉलेज स्तर से नई प्रतिभाओं की पहचान
- अंतरराष्ट्रीय सहभागिता एवं एक्सपोज़र योजनाएँ
- विदेशी प्रतियोगिताएँ, प्रशिक्षण शिविर एवं तकनीकी सहयोग

नव निर्वाचित अध्यक्ष का वक्तव्य

नव निर्वाचित अध्यक्ष शरद भूटोरिया ने सभी ज़िला संघों, खिलाड़ियों एवं पदाधिकारियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से बंगाल बॉक्सिंग को नई ऊँचाइयों तक ले जाया जाएगा। महासचिव गौरव गोस्वामी ने मंच का सफल संचालन किया

डॉ. राकेश मिश्र का प्रेरणादायी संबोधन: 'बंगाल की प्रतिभा देश की शक्ति है '

डॉ. राकेश मिश्र ने कहा कि बंगाल की मुक्केबाज़ी परंपरा अत्यंत समृद्ध है और संगठित प्रयासों से भारतीय बॉक्सर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करेंगे।

बंगाल से शुरू हुई यात्रा, आज राष्ट्रीय खेल आंदोलन
बंगाल से प्रारंभ हुई भारतीय बॉक्सिंग की यह यात्रा आज एक राष्ट्रीय खेल आंदोलन का रूप ले चुकी है। ढ्ढक्क्र का लक्ष्य है कि क्रिकेट की तर्ज पर भारतीय बॉक्सरों को भी साधन-संपन्न, आत्मनिर्भर और सुरक्षित भविष्य प्रदान किया जाए—जहाँ खेल, सम्मान और आजीविका तीनों सुनिश्चित हों।

कार्यक्रम में व्यापक सहभागिता

गौरव गोस्वामी (हुगली), अरिंदम चक्रवर्ती (हुगली), सुदीप्त कर्मकार (बांकुड़ा), शांतनु सेन (कोलकाता), अपरूप साहा (उत्तर 24 परगना), केशव सरदार (कोलकाता), सुश्री बिदिशा चंदा (कोलकाता), अनिमेष बिस्वास (उत्तर 24 परगना), सुश्री सुपर्णा घोष (उत्तर 24 परगना), फ़िरोज़ ख़ान (पश्चिम बर्धमान), इमरान खैयूम (पूर्व बर्धमान), कार्तिक हालदार (दक्षिण 24 परगना), अरिजीत हेंब्रम (बांकुड़ा), अयान मलिक (हुगली), इंद्रजीत पाठक (हुगली), चिरु (पुरुलिया), हमीद ख़ान, राजकुमार शॉ (उत्तर 24 परगना), सुश्री अर्पिता गोस्वामी, बिधान साहा (पूर्व मेदिनीपुर), रॉकी (पश्चिम मेदिनीपुर), इम्तियाज़ (बर्धमान), सुश्री जयिता राय (कोलकाता), अधिवक्ता पायल बंद्योपाध्याय (महिला आयोग)।

श्रीराधाकृष्ण के गुणानुवादों का श्रवण सभी प्रकार के दु:खों को दूर करता है: अवध बिहारी दास

श्री सनातन धर्म मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा का छठवां दिवस

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
ग्वालियर। श्री सनातन धर्म मंदिर में दंदरौआ से पधारे कथा व्यास पूज्य श्री अवध बिहारी दास ने छठवें दिवस में गोपीगीत, वेणु गीत,महारास, रुक्मिणी विवाह उत्सव की कथा श्रवण कराते हुए कहा भगवान का वचन है कि मैं भक्त के पराधीन हूं। गोपियां आर्त होकर भगवान श्री कृष्ण को पुकारती हैं। गोपियों की यह आर्त पुकार ही गोपी गीत है। श्रीराधाकृष्ण के गुणानुवादों का श्रवण सभी प्रकार के दुःखों को दूर करता है। भवरोग की सच्ची दवा श्रीकृष्ण चरित्र श्रवण ही है। कब कौन सी स्थिति आ जायेगी यह निश्चित नहीं है। अतः सत्संग, नाम स्मरण में सावधान रहना चाहिए। अपने में देवी सम्पत्ति की स्थापना करते रहने से भक्ति की वृद्धि होती रहती है। जिसमें हिंसा नहीं है, पराये धन तथा परायी स्त्री की ओर जिसका मन नहीं जाता है, जो दूसरों की निन्दा नहीं करता है, वह देवी सम्पत्ति वाला है। जो बुद्धिमान वाणी-मन, क्रोध, भूख के वेग को सहता है, अपनी निंदा सुनकर भी जिसे क्रोध या दुःख नहीं होता है, वह देवी सम्पत्ति वाला है। दुष्टजन या माया ऐसे भक्तों का कुछ भी बिगाड़ नहीं कर सकती है। संसार चाहे नित्य है चाहे अनित्य है। हमको भगवत् स्मरण करते रहना चाहिए।
जो वैराग्यवान् पुरुष हैं, उनको जगत् के किसी विषयमें, किसी भी इस लोक या परलोकके भोगपदार्थमें आसक्ति नहीं है, न वे किसी पदार्थकी कामना करते हैं, परंतु अपने परमार्थ-साधनमें वे अत्यन्त तत्पर रहते हैं। संसारमें जबतक राग रहता है, तबतक परमार्थमें पूरी प्रवृत्ति नहीं होती। संसारकी आसक्ति बार-बार मनको खींचकर भोगोंकी ओर ले जाती है; परंतु जब संसारासक्ति छूटकर विराग प्राप्त हो जाता है, तब तो पूर्णतया परमार्थ-साधनमें सलंग्नता हो जाती है। पूज्य श्री अवध बिहारी दास जी महाराज ने रुक्मिणी विवाह की भाव पूर्ण व्याख्या की। कथा से पूर्व मुख्य यजमान रविन्द्र मिश्रा, वंदना मिश्रा एवं उनके परिवार ने भागवत जी का पूजन एवं आरती की ।

नागेश्वर शिव मंदिर समिति ने निकाली शिव बारात

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
भोपाल। रत्नागिरी कॉलोनी स्थित महाशिवरात्रि पर्व पर नागेश्वर शिव मंदिर समिति तथा कॉलोनी रहवासी द्वारा ठोल बैंडबाजे के साथ शिव बारात निकाली गई। समिति की उपाध्यक्ष डॉली मालवीया ने बताया कि शिव बारात ढोल, बाजे, डीजे के साथ पालकी में शिव जी के बारात निकली थी और नंदी और भोलेनाथ की झांकियां सजाई गई थीं। प्रसाद वितरण किया गया, जगह-जगह स्वागत द्वार बनाए गए थे। लोगों ने घरों के सामने फूलों की रंगोली बनाकर भगवान भोलेनाथ और नंदी का स्वागत किया पूजन अर्चन किया। जगह-जगह लोगों ने स्वागत कर प्रसाद वितरण किया। बारातियों का फूलों की बौछार करके स्वागत किया गया। उक्त जानकारी कार्तिक मालवीया,भोपाल ने दी।

चकलेश्वर महादेव पर 28वां विशाल फलाहारी भंडारा सम्पन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
ग्वालियर। चकलेश्वर महादेव मंदिर परिसर में 'बम बम भोले सेवा दल' द्वारा आयोजित 28वां विशाल फलाहारी भंडारा श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। भंडारे में विशेष रूप से अमरनाथ यात्रा से लौटे श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया। सेवा दल के सदस्यों ने सभी अमरनाथ यात्रियों का पुष्पमालाओं से अभिनंदन कर उनका उत्साहवर्धन किया। इसके साथ ही किन्नर समाज के प्रतिनिधियों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता निभाई और प्रसाद ग्रहण कर सामाजिक समरसता का संदेश दिया। इस भंडारे में 70 बोरी आलू 35 कुंतल केले 1 कुंतल साबूदाना खीर का वितरण खीर का वितरण किया।कार्यक्रम की शुरुआत भगवान शिव के विधिवत पूजन-अर्चन से हुई। मंदिर परिसर को आकर्षक रूप से सजाया गया था तथा 'हर-हर महादेव' और 'बम बम भोले' के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। भंडारे में फलाहारी व्यंजनों की विशेष व्यवस्था की गई थी, जिसमें फल, मिष्ठान और अन्य व्रताहारी प्रसाद शामिल थे। सेवा दल के पदाधिकारियों ने बताया कि यह भंडारा पिछले 28 वर्षों से निरंतर आयोजित किया जा रहा है और इसका उद्देश्य श्रद्धालुओं की सेवा तथा समाज में एकता और भाईचारे की भावना को मजबूत करना है। आयोजन में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों की भी उपस्थिति रही। अंत में सभी श्रद्धालुओं ने भगवान चाकलेश्वर महादेव से क्षेत्र की सुख-समृद्धि और शांति की प्रार्थना की। कार्यक्रम का समापन आरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

4 मार्च को मनाया जाएगा होली का मुख्य पर्व : दाऊजी

बहराइच में 01 से 05 मार्च तक होलिकोत्सव की धूम, चौक-चौराहों से लेकर प्रमुख स्थलों तक सजावट की तैयारी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
बहराइच। रंगों और उल्लास के महापर्व होली को लेकर जिले में उत्सवी माहौल बन चुका है और तैयारियां अब अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। जिला प्रशासन तथा बहराइच होली समिति (रजि.) के संयुक्त समन्वय से इस बार होलिकोत्सव को अधिक भव्य, व्यवस्थित और सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाने की रणनीति तैयार की जा रही है। इसी क्रम में समिति के पदाधिकारियों, सदस्यों व कार्यकर्ताओं की एक विस्तृत बैठक अध्यक्ष दीपक प्रकाश सोनी 'दाऊ जी' के चौक बाजार स्थित प्रतिष्ठान पर संपन्न हुई, जिसमें कार्यक्रमों की रूपरेखा, व्यवस्थाएं तथा जिम्मेदारियों का अंतिम निर्धारण किया गया।

बैठक में तय हुआ कि होलिकोत्सव 01 मार्च से 05 मार्च तक धार्मिक, सांस्कृतिक व सामाजिक आयोजनों की श्रृंखला के साथ मनाया जाएगा। अध्यक्ष दाऊ जी ने बताया कि 02 मार्च (सोमवार) को शुभ मुहूर्तानुसार होलिका दहन होगा। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 03 मार्च (मंगलवार) को चंद्रग्रहण होने के कारण शास्त्रसम्मत परंपरा के अनुसार होली का मुख्य पर्व 04 मार्च (बुधवार) को मनाया जाएगा, जिससे सभी श्रद्धालु विधिवत उत्सव में भाग ले सकें।
उन्होंने आगे बताया कि 04 मार्च को सायं 5 बजे से घंटाघर प्रांगण में भव्य होली मिलन समारोह, रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम, पारंपरिक उपाधि वितरण तथा सामूहिक मिलन का आयोजन होगा। इस कार्यक्रम में शहर के प्रमुख नागरिक, समाजसेवी, व्यापारी, युवा संगठन, सांस्कृतिक दल तथा विभिन्न सामाजिक संस्थाओं की सहभागिता रहेगी। वहीं 05 मार्च को प्रातः 11 बजे त्रिमुहानी घाट स्थित हनुमान मंदिर में होली मिलन व प्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित होगा और उसी दिन रात्रि 8:30 बजे घंटाघर प्रांगण में भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें स्थानीय कलाकारों द्वारा गीत, संगीत, हास्य व नृत्य प्रस्तुतियां दी जाएंगी। समिति पदाधिकारियों ने बताया कि इस बार होलिकोत्सव को जनभागीदारी आधारित उत्सव का स्वरूप देने के लिए नगर के प्रमुख चौक-चौराहों, बाजारों, मंदिर परिसरों, मुख्य मार्गों तथा सार्वजनिक स्थलों को आकर्षक रोशनी, रंग-बिरंगी झालरों, पताकाओं और स्वागत द्वारों से सजाया जाएगा। साथ ही साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा, यातायात नियंत्रण तथा आपात चिकित्सा सहायता की व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों से समन्वय स्थापित किया जा रहा है, ताकि पर्व के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। बैठक में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, भाईचारे और आपसी प्रेम का प्रतीक है। सभी नागरिकों से अपील की गई कि वे पर्व को शांति, सौहार्द और परंपरागत मर्यादा के साथ मनाएं तथा किसी भी प्रकार की अफवाह या असामाजिक गतिविधियों से दूर रहें। बैठक में महामंत्री सुमित खन्ना, आनंद सभासद, लाल शर्मा, राघवेंद्र प्रताप सिंह, मनीष रस्तोगी, मनोज मिर्ची, सचिन श्रीवास्तव, हेमा निगम, अनुराग रस्तोगी, कन्हैया सोनी, नितिन रूपानी, अनुज पांडेय, कल्याण सिंह, चौधरी पूरन सिंह, सुधाकर मिश्रा, राजेश रस्तोगी, देवेंद्र मिश्रा, सत्येंद्र रस्तोगी सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में होली पर्व को भव्य, सुरक्षित और यादगार बनाने का संकल्प लिया।

संभाग में कक्षा 12वीं के 10 हजार 663 परीक्षार्थियों ने प्राचीन भाषा संस्कृत की परीक्षा दी

- ग्वालियर में 71 परीक्षा केन्द्रों पर हुई परीक्षा, 1390 परीक्षार्थी उपस्थित
- हाईस्कूल की 91 केन्द्रों पर आज होगी परीक्षा

ग्वालियर। माध्यमिक शिक्षा मंडल एमपी बोर्ड भोपाल द्वारा आयोजित कक्षा 12वीं की वार्षिक परीक्षायें बीती 10 फरवरी से संचालित हो रही है। इसी कड़ी में सोमवार को कक्षा 12वीं का संस्कृत विषय का पेपर हुआ। ग्वालियर चंबल संभाग में आठों जिलों में प्राचीन भाषा वेद भाषा संस्कृत के कुल 10 हजार 958 विद्यार्थी पंजीकृत थे। जिसमे से 10 हजार 663 छात्र छात्राओं ने अपने निर्धारित परीक्षा केन्द्र पर उपस्थित होकर संस्कृत विषय की परीक्षा दी। जबकि 293 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

बोर्ड की वार्षिक परीक्षायें सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित हो रही है। जबकि परीक्षार्थियों को सुबह 8 बजे तक अपने निर्धारित परीक्षा केन्द्र पर पहुंचना पड़ता है। संभागभर में संस्कृत विषय की परीक्षा के लिये कुल 341 परीक्षा केन्द्र बनाये गये थे। यहां पंजीकृत 10 हजार 663 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुये। जबकि 293 छात्र छात्रायें परीक्षा में नहीं बैठ सकें। जिले की बात करें तो यहां 1415 विद्यार्थी पंजीकृत थे। जबकि 1390 परीक्षार्थी उपस्थित हुये और 25 छात्रों की संख्या अनुपस्थित रही। परीक्षा ग्वालियर के 71 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की गई। उल्लेखनीय है कि 10 फरवरी से वार्षिक परीक्षायें शुरू हो चुकी है। कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षायें 13 फरवरी से शुरू हुई है।

कक्षा 12वीं में संस्कृत के सर्वाधिक छात्र शिवपुरी जिले से

सोमवार को आयोजित कक्षा 12वीं के संस्कृत विषय की परीक्षा में सर्वाधिक छात्र संख्या शिवपुरी जिले के है। यहां लगभग 3478 छात्र छात्राओं ने कक्षा 12वीं में संस्कृत विषय शामिल किया है। दूसरे नंबर पर गुना जिला है। यहां 1870 छात्र पंजीकृत रहे। तीसरे नंबर पर दतिया जिला है। यहां भी ग्वालियर से अधिक 1585 विद्यार्थी शामिल है।

आज कक्षा 10वीं का अंग्रेजी पेपर

हाईस्कूल की बोर्ड परीक्षा के तहत आज मंगलवार को अंग्रेजी विषय का पेपर है। जिले से नियमित एवं स्वाध्यायी छात्र छात्राओं द्वारा यह परीक्षा दी जायेगी। परीक्षा में छा छात्राओं की संख्या को ध्यान में रखकर कुल 91 परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं। संवेदनशील और अतिसंवेदनशील परीक्षा केन्द्रों सहित सभी 91 केन्द्र सीसीटीव्ही कैमरों की निगरानी में है। जिला प्रशासन की टीम और शिक्षा विभाग द्वारा बनाये गये उड़नदस्ता नकल पर लगाम लगाने के लिये औचक निरीक्षण कर रहे हैं।

शिवपुरी में वकील की हत्या के विरोध में ग्वालियर में प्रदर्शन

ग्वालियर। शिवपुरी जिले के करैरा में दो दिन पहले वकील की हत्या की घटना के विरोध में ग्वालियर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के आव्हान पर बड़ी संख्या में वकीलों ने प्रदर्शन किया। साथ ही पुलिस प्रशासन का पुतला भी जलाया।

एसोसिएशन के अध्यक्ष पवन पाठक का कहना है कि एडवोकेट साथी के साथ हुई इस घटना के विरोध में सोमवार को सभी वकील कार्य से विरत रहे। साथ ही पुलिस प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताते हुये विरोध प्रदर्शन किया और पुलिस प्रशासन शिवपुरी का पुतला भी जलाया गया। श्री पाठक ने कहा कि इस तरह की घटनाओं से वकीलों में असुरक्षा का भाव पैदा हो रहा है और जरूरतमंदों को न्याय दिलाने में बाधा पैदा हो रही है। आरोपियों के खिलाफकड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर प्रशासन को ज्ञापन भी दिया गया है।

श्रीमती साधू के श्रीखंड, पूरण पोली और पेपर पोहे ने बिखेरा जायका

ग्वालियर। कैट की महिला विंग ने शनिवार को दादी नानी की रसोई से व्यंजनों का मेला लगाया। इसमे देश के अलग अलग राज्यों के पारंपरिक स्वाद एक ही मंच पर आये। कार्यक्रम में सांसद प्रवीन खंडेलवाल, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के क्षेत्रीय आयुक्त सत्यवर्धन गौतम, महापौर डा. शोभा सतीश सिकरवार, कलेक्टर रूचिका चौहान उपस्थित थे। मेला में महाराष्ट्र के पारंपरिक स्वाद को लेकर आई 63 वर्षीय कल्पना साधू ने अपने पारंपरिक व्यंजनों से वाहवाही लूटी। कल्पना साधू ने श्रीखंड, पूरण पोली और पेपर पोहे का नमकीन बनाया। 100 साल से अधिक पुराना महाराष्ट्रियन व्यंजन मेले के आर्कषण का केन्द्र रहे। मेला भ्रमण को आये मेहमानों ने कल्पना साधू का व्यंजनों को लुत्फ लेकर खुले मन से प्रशंसा की। कार्यक्रम में संस्था की अध्यक्ष डा. गरिमा वैश्य और कार्यक्रम संयोजक रेणु गोयल मौजूद थी।

एमआईसी ने चिड़ियाघर के बाहर का ठेका किया निरस्त

ग्वालियर। मेयर इन काउंसिल की बैठक सोमवार को महापौर डॉ. शोभा सतीश सिंह सिकरवार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में शहर विकास से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा कर स्वीकृति प्रदान की गई।

बैठक में आर.एफपी. की शर्तों में आवश्यक संशोधनों के अनुमोदन बावत् निगमायुक्त के प्रतिवेदन की पुष्टि की गई। इसके साथ ही अति आवश्यक परिस्थितियों में निगम कर्मचारियों को नियत तिथि पर वेतन भत्ते एवं पेंशन भुगतान हेतु ओ.डी. लिमिट किये जाने की स्वीकृति बावत् निगमायुक्त के प्रतिवेदन की पुष्टि की गई। साथ ही ठेका रेता, भूसा, गिट्टी, पत्थर आदि वर्ष 2023-24 की शेष अवधि की ई.एम.डी. वापिसी बाबत निगमायुक्त के प्रतिवेदन पर चर्चा उपरांत उक्त बिंदु वापिस किया गया।

बैठक में ठेका पेड पार्किंग चिड़ियाघर नवीन गेट निरस्ती के सम्बन्ध में निगमायुक्त के प्रतिवेदन पर चर्चा उपरांत स्वीकृति प्रदान की गई। इसके साथ ही म.प्र. राजपत्र प्राधिकार से प्रकाशित क्रमांक 46 भोपाल अनुसार गतवर्ष की भांति वित्तीय वर्ष 2026-27 में कलेक्टर गाइडलाइन अनुसार सम्पत्तिकर की दरों का निर्धारण के सम्बन्ध में निगमायुक्त के प्रतिवेदन पर चर्चा उपरांत अनुशंसा के साथ परिषद की ओर अग्रेषित किया गया। साथ ही म.प्र. अचल सम्पत्ति अंतरण नियम 2016, संशोधन 2021, 2023 की कडिका 3 (क) (ख) अनुसार पुनर्निर्मित हुजरात मार्केट की दुकानों को मासिक किराये पर ऑफर आमंत्रण एवं अंतरण करने की स्वीकृति के सम्बन्ध में निगमायुक्त के प्रतिवेदन पर चर्चा उपरांत स्वीकृति प्रदान की गई तथा निविदा आमंत्रण के बाद एमआईसी को प्रेषित करने के निर्देश दिए।

बैठक में गेन्ट्री पैकेज क्रमांक जी1 निविदा की संशोधन शर्तें एवं गेन्ट्री पैकेज क्रमांक जी2 निविदा की संशोधन शर्तें अनुमोदन बाबत निगमायुक्त के प्रतिवेदन पर चर्चा उपरांत पारदर्शिता बरतते हुए स्वीकृति प्रदान की गई। इसके साथ ही पूर्व विधानसभा अंतर्गत मुख्यमंत्री सड़क अद्योसंरचना फेस-02 (निगम निधि से परिवर्तित) अन्तर्गत सड़क डामरीकरण कार्य की समयावृद्धि के सम्बन्ध में निगमायुक्त के प्रतिवेदन पर चर्चा उपरांत स्वीकृति प्रदान की। बैठक में वाहन किराया प्रकरण में म्याद वृद्धि एवं अतिरिक्त व्यय स्वीकृति के सम्बन्ध में निगमायुक्त के प्रतिवेदन पर चर्चा उपरांत वाहन म्याद वृद्धि के साथ 01 करोड की राशि बढ़ाये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई।

तीन दिवसीय बैजू बावरा महोत्सव आज से

ग्वालियर। गायन की ध्रुपद शैली में ग्वालियर को विशेष पहचान दिलाने वाले मध्यकालीन इतिहास के महान संगीतज्ञ बैजू बावरा की याद में राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय 17 फरवरी से तीन दिवसीय बैजू बावरा महोत्सव आयोजित करेगा। महोत्सव का शुभारंभ ललित मिथिला विश्वविद्यालय दरभंगा बिहार के संकाय अध्यक्ष प्रो लावण्या कीर्ति सिंह काव्या की मौजूदगी में होगा। यह जानकारी राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय की कुलगुरू स्मिता सहस्त्रबुद्धे एवं कुलसचिव अरूण सिंह चौहान ने सोमवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुये दी।

कुलगुरू स्मिता सहस्त्रबुद्धे ने बताया कि शुभारंभ अवसर पर 17 फरवरी को ध्रुपद पर कार्यशाला होगी। जिसमें विषय विशेषज्ञ पदमश्री उस्ताद बासिफुद्दीन डागर नई दिल्ली उनके साथ पखावज पर व्याख्यान विषय विशेषज्ञ पंडित मोहन श्याम शर्मा नई दिल्ली होंगे। इसी के साथ सांगीतिक प्रस्तुतियां दोपहर दो बजे से विश्वविद्यालय परिसर में ही होंगी। जिसमें ध्रुपद गायन योगिनी तांबे ग्वालियर पखावज पर संगति जगत नारायण शर्मा करेंगे। वहीं पदमश्री पदमश्री उस्ताद बासिफुद्दीन डागर नई दिल्ली उनके साथ पखावज पर संगति पंडित मोहन श्याम शर्मा नई दिल्ली करेंगे। 18 फरवरी को सुबह 11 बजे से धमार कार्यशाला होगी जिसमें विषय विशेषज्ञ डा विशाल जैन प्रयागराज होंगे। वहीं दोपहर दो बजे से सांगीतिक प्रस्तुतियों में सुरबहार वादन डा श्याम रस्तोगी देंगे उनके साथ पखावज पर संगति जगत नारायण शर्मा देंगे। 19 फरवरी को सुबह 11 बजे ये ध्रुपद पर कार्यशाला होगी जिसमें विषय विशेषज्ञ पदमश्री ऋत्विक सान्याल वाराणसी होंगे। वहीं सागीतिक प्रस्तुतियों में दोपहर दो बजे से ध्रुपद गायन आदित्य शर्मा ग्वालियर पखावज संगति जयवंत गायकवाड तथा ध्रुपद गायन पदमश्री पंडित ऋत्विक सान्याल वाराणसी देंगे पखावज पर संगति आदित्य दीप देंगे। पत्रकार वार्ता में संयोजक एवं सास्कृतिक समिति अध्यक्ष डा पारूल दीक्षित, मीडिया प्रभारी कुलदीप पाठक भी मौजूद थे।

किसान सम्मेलन 18 को कुलैथ में, कलेक्टर एवं एसएसपी ने लिया तैयारियों का जायजा

ग्वालियर। वर्ष 2026 को प्रदेश में किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। किसान कल्याण वर्ष का पहला राज्य स्तरीय विशाल किसान सम्मेलन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में 18 फरवरी को ग्वालियर जिले के ग्राम कुलैथ में आयोजित होगा। प्रस्ताविक कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. यादव ग्राम कुलैथ में आयोजित होने जा रहे किसान सम्मेलन से मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत सिंगल क्लिक के जरिए प्रदेश भर के किसानों के खाते में किसान सम्मान निधि का अंतरण करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव कृषि प्रदर्शनी एवं स्थानीय किसानों द्वारा आयोजित पारंपरिक बैलगाड़ी दौड़ का अवलोकन करेंगे और कन्हैया लोकगीतों का आनंद लेंगे। विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा किया जायेगा। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने सोमवार को कुलैथ पहुँचकर कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। इस मौके पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह भी उनके साथ थे। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कार्यक्रम स्थल पर संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर निर्देश दिए कि सभी अधिकारी कार्यक्रम से संबंधित दायित्वों का गंभीरता के साथ निर्वहन करें। साथ ही इस बात का विशेष ध्यान रखें कि किसानों सहित कार्यक्रम में भाग लेने आ रहे नागरिकों को असुविधा न हो। कलेक्टर एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने हैलीपेड, मुख्य मंच, प्रदर्शनी स्थल व किसानों की बैठक व्यवस्था व पारंपरिक बैलगाड़ी दौड़ स्थल इत्यादि का जायजा लिया। साथ ही निर्देश दिए कि व्यवस्थाओं को इस प्रकार से अंतिम रूप दें, जिससे कृषकगण सुविधाजनक तरीके से निर्धारित स्थल पर पहुँच सकें। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि कार्यक्रम स्थल पर पेयजल की भी पुख्ता व्यवस्था की जाए। इस मौके पर जिला पंचायत एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत, अपर कलेक्टर सीबी प्रसाद एवं अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

सेवानिवृत्त अधिकारी आफताब अहमद खान ने थामा कांग्रेस का हाथ

ग्वालियर। शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त अधिकारी आफ्ताब अहमद खान एवं भाजपा कार्यकर्ता अर्जुन माहौर ने कांग्रेस की रीति-नीति, विचारधारा एवं जनसेवा की प्रतिबद्धता से प्रभावित होकर सोमवार को कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। शहर अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव ने दोनों को कांग्रेस का दुपट्टा पहनाकर विधिवत सदस्यता दिलाई।

इस अवसर पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सदैव देश में लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता और संविधान की रक्षा के लिए संघर्षरत रही है। आज जब देश के संवैधानिक संस्थानों पर दबाव बनाने का प्रयास किया जा रहा है, तब कांग्रेस ही वह शक्ति है जो आम जनता की आवाज बनकर खड़ी है। कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करने पर आफ्ताब अहमद खान ने कहा कि मैंने शासकीय सेवा में रहते हुए जनता की समस्याओं को निकट से देखा है। जनहित और सामाजिक न्याय की जो सोच कांग्रेस में है, वही देश को सही दिशा दे सकती है। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता राजकुमार शर्मा, उपनेता मंगल यादव, प्रयाग सिंह गुर्जर, आशुतोष शर्मा, संजीव दीक्षित सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित थे।

निशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित

ग्वालियर। जिला भिंड के मेहगांव स्थित मंडी प्रांगण में महाशिवरात्रि के अवसर पर निशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सहारा हॉस्पिटल एवं सोफिया कॉलेज ने संयुक्त रूप से लगाया।

सहारा हॉस्पिटल के संचालक एवं सुप्रसिद्ध नाक-कान-गला रोग विशेषज्ञ डॉ. ए. एस. भल्ला के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में सैंकड़ों लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई। शिविर में नेत्र परीक्षण भी किया गया तथा मरीजों को निशुल्क आई ड्रॉप एवं चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया। कुछ मरीजों में मोतियाबिंद की समस्या पाई गई। शिविर में आए मरीजों को डॉक्टर द्वारा लिखी गई दवाइयों का निशुल्क वितरण किया गया। यह शिविर प्रातः 9 से सायं 5 बजे तक चला। यहां बता दें कि सहारा हॉस्पिटल ग्वालियर-चंबल संभाग की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से तहसील, ब्लॉक एवं जिला स्तर के साथ-साथ कस्बों और बड़े गांवों में नियमित रूप से स्वास्थ्य शिविर आयोजित करता रहता है। अगला स्वास्थ्य शिविर साई कॉलोनी, गुड़ा लश्कर में 18 फरवरी (बुधवार) को प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

मिट्टी की सेहत बचाना ही समृद्धि का आधार है: कुलगुरु डॉ. शुक्ला

- राष्ट्रीय कृषि वैज्ञानिक सम्मेलन में भविष्य की खेती पर मंथन हुआ

ग्वालियर। रासायनिक उर्वरकों के बढ़ते उपयोग से कमजोर होती मिट्टी और घटते कार्बन स्तर पर गंभीर चिंता जताते हुए कृषि वैज्ञानिकों ने प्राकृतिक व गौ-आधारित खेती को भविष्य का रास्ता बताया। भारतीय एग्रो इकोनॉमिक रिसर्च सेंटर एवं राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कृषि वैज्ञानिक सम्मेलन का शुभारंभ सोमवार सुबह दत्तोपंत ठेंगड़ी सभागार में हुआ। उद्घाटन सत्र में वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि सतत कृषि मॉडल अपनाए बिना मिट्टी और किसान दोनों का भविष्य सुरक्षित नहीं रह सकता। मिट्टी की सेहत बचाना ही किसान और देश की समृद्धि का आधार है।

कुलगुरु डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला ने कहा कि अधिक उत्पादन की होड़ में रासायनिक खादों के अंधाधुंध प्रयोग ने भारतीय कृषि को नुकसान पहुंचाया है। मिट्टी की उर्वरता और कार्बन घटने से उत्पादन की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। उन्होंने इंदौर का उदाहरण देते हुए बताया कि 150 वर्ग मीटर क्षेत्र में वैज्ञानिक पूरी तरह प्राकृतिक पद्धति से 20 हजार रुपये तक की पैदावार कर रहे हैं। सम्मेलन में गौवंश आधारित खेती को वैज्ञानिक आधार पर प्रोत्साहित करने के प्रयासों को सराहा गया। अध्यक्षता करते हुए अखिल भारतीय किसान संघ के संगठन मंत्री दिनेश कुलकर्णी ने कहा कि खेती देश की अर्थव्यवस्था का मूल आधार है। किसान समृद्ध होगा तो राष्ट्र भी मजबूत बनेगा। कार्यक्रम में सात प्रमुख कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिक उपस्थित रहे, जिनमें केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, असम कृषि विश्वविद्यालय, डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय तथा राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय शामिल हैं। मंच संचालन श्रवण दुबे व महात्मा गांधी ग्रामीण उद्योग संघ के डायरेक्टर आशीष मुरकुटे ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन निदेशक विस्तार सेवाएं डॉ. वाय.पी. सिंह ने किया।

प्राचीन से आधुनिक युग तक विषय पर सेमिनार कल से

ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालय की वनस्पति एवं सूक्ष्म विज्ञान अध्ययनशाला के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 18 एवं 19 फरवरी को प्रातः 10.30 बजे से गालव सभागार में किया जाएगा। संगोष्ठी का विषय ÷लाइफसाइंसरू जर्नी फ्रॉम एंशिएंट टू मॉडर्न एरा÷ रखा गया है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर रविंद्र कहनेरे (अध्यक्ष, शुल्क विनिमयिक आयोग, मध्य प्रदेश शासन एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष, विद्या भारती) होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर राजकुमार आचार्य करेंगे। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. राजीव मिश्रा भी उपस्थित रहेंगे। उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अखिलेश पांडे (पूर्व कुलगुरु, विक्रम विश्वविद्यालय) एवं प्रोफेसर राजेश सिंह तोमर (कुलगुरु, एमिटी विश्वविद्यालय) अपने विचार व्यक्त करेंगे। संगोष्ठी में वक्ता अपने व्याख्यान देंगे, जबकि 40 ओरल प्रस्तुतियाँ एवं 70 पोस्टर प्रस्तुतियाँ आयोजित होंगी। उत्कृष्ट प्रस्तुतियों के लिए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा। संगोष्ठी के दौरान ÷जीव विज्ञानरू प्राचीन से आधुनिक युग तक÷ विषय पर हुए शोध एवं परिवर्तनों पर शोधार्थी अपने शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। समापन समारोह 19 फरवरी को दोपहर 3 बजे आयोजित होगा। समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रोफेसर राकेश सिंह कुशवाह (कुलगुरु, महाराजा छत्रसाल विश्वविद्यालय) होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर राजकुमार आचार्य कुलगुरु जीवाजी विश्वविद्यालय करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डिफेन्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) ग्वालियर के पूर्व निदेशक डॉ. एम. के दुबे उपस्थित रहेंगे। संगोष्ठी के समन्वयक प्रोफेसर एम.के. गुप्ता एवं आयोजन सचिव डॉ. सपन पटेल ने बताया कि सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

आचार्य विद्यासागर योजना में 60 पशुपालकों को मिला लाभ

ग्वालियर। प्राकृतिक खेती एवं पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा संचालित आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना के तहत जिले के 60 किसानों को लाखों रूपये का अनुदान दिया गया है। इस योजना का उद्देश्य प्रदेश में दुग्ध उत्पादन में वृद्धि करना है। किसानों की आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना संचालित की जा रही है। इस योजना का उद्देश्य प्रदेश में पशुपालकों की संख्या में बढोतरी करना व दुग्ध उत्पादन में वृद्धि, नस्ल सुधार के माध्यम से पशुओं की दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के साथ ही पशुपालन के माध्यम से लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना है। इस योजना के लिए किसानों के लिए स्वयं की भूमि होना आवश्यक है। पाँच पशुओं की इकाई के लिए किसान के पास 1 एकड भूमि एवं 10 पशुओं की यूनिट के लिए किसान के पास 2 एकड भूमि स्वामी होनी चाहिए। इस योजना के तहत अधिकतम राशि सीमा 10 लाख रूपये है।

संपादकीय

राजधानी दिल्ली में गुमशुदगी को लेकर दावे बहुत, भरोसा कम

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत देश भर में लोगों के बड़ी संख्या में लापता होने का संकट बढ़ता जा रहा है। यह समूची व्यवस्था के लिए एक बड़ी चेतावनी है। इस मामले में दिल्ली जिसे देश की सत्ता, कानून और सुरक्षा का सबसे मजबूत प्रतीक माना जाता है, वह इस वर्ष की शुरुआत से ही गंभीर संकट का सामना कर रही है। जनवरी माह के पहले पखवाड़े में ही यहां आठ सौ से अधिक लोगों के लापता हो जाने की खबरों को सामान्य नहीं माना जा सकता, बल्कि यह उस भयावहता का दस्तावेज है, जिसे हम प्रायः 'शहरी जीवन की आपाधापी' कहकर नजरअंदाज कर देते हैं। ये आंकड़े सीधे-सीधे बताते हैं कि दिल्ली में हर रोज औसतन पचास से अधिक लोग ऐसे गायब हो रहे हैं, जिनका कोई सुराग, जांच की दिशा या ठोस जवाब फिलहाल व्यवस्था के पास नहीं है। यह मानवीय संकट देशव्यापी है, मगर दिल्ली में समस्या इसलिए गहरा गई है, क्योंकि यहां गुमशुदगी के मामलों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

दिल्ली पुलिस के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, इस वर्ष जनवरी के पहले पखवाड़े में यहां गुमशुदगी के 807 मामले दर्ज किए गए, जिनमें लगभग 63 फीसद महिलाएं और लड़कियां शामिल हैं। यह आंकड़ा अपने आप में एक गहरे सामाजिक संकट की ओर इशारा करता है। देश की राजधानी में महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा को लेकर वर्षों से जो दावे किए जाते रहे हैं, वे इन आंकड़ों के सामने बिखरते नजर आते हैं। यह केवल अपराध का प्रश्न नहीं है, बल्कि उस असुरक्षा की भावना का सवाल है, जो हर उस परिवार को भीतर से तोड़ रही है, जिनका कोई सदस्य अचानक गायब हो गया। लापता होने वाले लोगों के परिवारों को एक ऐसे इंतजार में डाल दिया गया है, जो उनके लिए दिन-ब-दिन असहनीय होता जा रहा है।

यह स्थिति तब और भयावह हो जाती है, जब हम लापता होने वाले लोगों की संख्या में नाबालिगों के आंकड़ों पर नजर डालते हैं। दिल्ली में महज पंद्रह दिनों की अवधि में 190 से अधिक बच्चे लापता हुए, जिनमें अधिकांश लड़कियां हैं। किशोर वर्ग (12 से 18 वर्ष) सबसे अधिक जोखिम में दिखाई देता है। ये घटनाएं कोई संयोग नहीं हो सकतीं, क्योंकि इनमें एक विशेष स्वरूप नजर आता है, जिसके पीछे कोई न कोई संगठित या प्रणालीगत कारण हो सकता है। हाल में सर्वोच्च न्यायालय ने भी देश भर में बच्चों के लापता होने पर गहरी चिंता जताते हुए केंद्र से कहा है कि ऐसे मामलों के राष्ट्रीय स्तर पर राज्यवार एकीकृत आंकड़े संकलित कर उनका विश्लेषण किया जाए, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं इसके पीछे संगठित गिरोहों का हाथ तो नहीं।

दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, दो सप्ताह की अवधि में लापता हुए लोगों में से कुछ को ढूंढ़ लिया गया, जबकि बाकी की तलाश जारी है। ऐसे में यह मान लेना उचित नहीं होगा कि ये सभी मामले घर से भागने, पारिवारिक विवाद या किसी भ्रम का परिणाम हैं। हकीकत यह है कि दिल्ली जैसे महानगर में मानव तस्करी, जबरन श्रम, यौन शोषण, अवैध तरीके से गोद लेने और संगठित अपराध के तंत्र लंबे समय से सक्रिय हैं। नाबालिग बच्चों तथा कमजोर आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति वाले लोगों को भावनात्मक असुरक्षा और डिजिटल माध्यमों के जरिये फैलाया गया झूठा भरोसा कई बार गुमराह कर देता है।महिलाओं के मामले में घरेलू हिंसा, जबरन विवाह, आर्थिक शोषण, झूठे रोजगार के वादे और संगठित अपराध, ये सभी कारण उनके लापता होने से जुड़े हो सकते हैं। हो सकता है कि कुछ मामलों में महिलाएं खुद घर से चली जाएं, लेकिन अधिकांश मामलों में उनका गायब होना किसी न किसी रूप में अपराध से जुड़ा हो सकता है, जिसकी तह तक पहुंचना व्यवस्था के लिए अब भी एक बड़ी चुनौती है। यदि हम वर्तमान संकट को व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखें, तो तस्वीर और भी डरावनी हो जाती है।

वर्ष 2025 में दिल्ली में 24 हजार से ज्यादा लोग लापता हुए थे, जिनमें

कुछ समय पहले अहमदाबाद के एक स्कूल में सोलह वर्ष की बच्ची हंसते हुए अपनी कक्षा से बाहर निकली और हाथ में चाबी का गुच्छा घुमाते हुए बड़ी सहजता से उसने स्कूल की चौथी मंजिल से अचानक छलांग लगा दी। इस तरह की कई घटनाएं सामने आई, जो बताती हैं कि नई पीढ़ी को समझने और समझाने में कहीं तो चूक हो रही है। ऐसा कौन-सा दबाव है कि मौत उन्हें मुक्ति का मार्ग लगने लगती है। हंसने-खिलखिलाने की उम्र में किन बातों का तनाव आ घेरता है कि बच्चे जिंदगी से पलायन करने की राह चुनते हैं? सबसे बड़ी चिंता यह है कि उनकी उलझन व्यवहार और विचार की सतह पर नहीं

दान का सुख, बेईमानी की बेड़ियां और जीवन का सच, स्वर्ग-नरक यहीं बसते हैं

ईश्वर को किसी ने नहीं देखा। पुनर्जन्म होता या नहीं, इसके बारे में भी कहा नहीं जा सकता, लेकिन एक डर लोगों के मन में बैठा रहता है। हमेशा बैठाया भी जाता है कि अच्छे काम करोगे, तो अगले जन्म में मनुष्य बनकर पैदा होगे और बुरे काम करोगे तो तरह-तरह के पशुओं में तुम्हारा जन्म होता रहेगा। चौरासी लाख योनियों में भटकने की बात धर्मग्रंथ करते हैं। व्यक्ति के मन में भय इसलिए पैदा किया जाता है कि वह नैतिक दृष्टि से ठीक-ठाक रहे। उसके अंदर मानवता, करुणा, सच्चाई, ईमानदारी जिंदा रहे। जिस समाज में ऐसे सज्जनों की बहुलता रहती है, वह समाज खुशहाल रहता है। इसलिए सदियों से हमारे धर्मग्रंथों और ऋषि-मुनियों ने मनुष्यों में सदाचरण पर जोर दिया और उस सदाचरण को बरकरार रखने के लिए उन्होंने स्वर्ग-नरक की कथाएं भी रचीं।

सच्चाई यह है कि इस स्वर्ग-नरक को किसी ने देखा नहीं है, लेकिन धर्मभीरू समाज के मन में यह बात बिठा दी गई है कि ईश्वर हमें देख रहा है... हमारे हर गलत सही काम पर उसकी नजर है। इस भय से ही आम इंसान जीवन में गलत काम करने से बचता है। यह सिर्फ एक कल्पना है और एक तरह से मनुष्य को सन्मार्ग दिखाने, उस पर चलाने की एक उत्तम प्रविधि है। जैसे आजकल बहुत सारे अपराध सिर्फ इसलिए नहीं होते कि जगह-जगह खुफिया कैमरे लगे होते हैं और किसी दीवार पर एक पंक्ति लिखी होती है कि 'आप कैमरे की निगाह में हैं।' पहले लोगों से कहा जाता था कि आप ईश्वर की निगाह में हैं। उस चेतावनी को बहुत कम लोग मानते थे, लेकिन इस भौतिक चेतावनी को लोग गंभीरता से मानते हैं और गलत काम करने से बचते भी हैं। ज्यादा दुस्साहसी अपराधी पहले खुफिया कैमरे को तोड़ भी देते हैं।

कुछ लोग कहते हैं कि स्वर्ग-नरक सब यहीं है। अच्छे काम करना और सुखमय जीवन जीना स्वर्ग से कम नहीं है। और बुरे काम करके उसका कुपरिणाम भोगना नरक है। यह सभी महसूस भी करते हैं। अपने सामने ऐसा घटित होते देखते भी हैं। न जाने कितने अरबपति व्यापारी, भ्रष्ट नेता या घोटालेबाज अफसर बेईमानी की कमाई करने के बाद एक दिन जब गिरफ्तार होकर जेल भेज दिए जाते हैं, तो लोग यही कहते हैं कि देखो, उन्हें अपने किए का फल मिल गया। कल तक वे स्वर्ग भोग रहा थे, आज नरक भोग रहे हैं।

दूसरी तरफ स्वर्ग वे भोग रहे होते हैं, जो संतोषी हैं और सुखी हैं। लोग जब दान-पुण्य करते हैं, तो उनके अंतर्मन में एक सुखानुभूति होती है। यह सुखद अनुभूति किसी स्वर्ग से कम नहीं है। उदार मन का धनी व्यक्ति ज्यादा से ज्यादा दान करता है, तो उसकी ख्याति बढ़ती जाती है। तब उसके मन को जो परमानंद मिलता है, दरअसल वही स्वर्ग है।

जो व्यक्ति जितना सुखी है या पूरी तरह से स्वस्थ है, तो वह जीवन में एक तरह से वास्तविक स्वर्ग का जीवन जी रहा है। अगर उसके जीवन में ईर्ष्या, द्वेष, षड्यंत्र आदि दुर्गुण भरे हुए हैं, तो उसका जीवन अपने आप में नरक है। वह कुंठित होकर अनेक बीमारियों से ग्रस्त हो जाता है। दुर्भाग्य की बात यह है कि वह अपने नारकीय जीवन को पहचान नहीं पाता। वह अपनी धूर्त मानसिकता और हल्केपन को अपनी चालाकी समझता है और हर घड़ी दूसरे के अहित को अपनी उपलब्धि मानकर प्रसन्न रहता है।

जिस दिन ऐसे लोग आत्म-मंथन करते हुए यह विचार करने लगेंगे कि 'परहित सरिस धर्म नहीं भाई, परपीड़ा सम नहीं अधमाई', तो वे अपना रास्ता बदल सकते हैं। वे अपने हृदय को निर्मल कर लें, उदार कर लें और यह सोचने लगें कि सभी सुखी रहें, सभी निरोगी रहें, सभी का कल्याण हो, तो फिर उनके जीवन में एक सकारात्मक बदलाव आ जाएगा। धर्म-कर्म के पथ पर चलने वाले सच्चे लोग इसीलिए भीड़ में भी अलग दिखाई देते हैं।

धर्म-कर्म पर चलने का अर्थ यह नहीं कि लोग कट्टर हो जाएं और अपने-अपने धर्म के लिए आपस में भिड़ जाएं। अनेक लोग जीवन की सार्थकता लोक कल्याण के कार्य को ही समझते हैं। यही सच्ची धार्मिकता है। सोशल मीडिया के दौर में हम सब अनेक ऐसे वीडियो देखते हैं, जिसमें कोई पुलिसवाला किसी गरीब की मदद कर रहा है, उसे खाना खिला रहा है, कोई अमीर व्यक्ति फटेहाल बच्चों को अच्छे कपड़े पहना रहा है, कोई किसी की झोंपड़ी को पक्का करवा रहा है। परमार्थ के आने के वीडियो हम सब देखते हैं।

कुछ लोग अपनी लघु फिल्मों के माध्यम से समाज में नैतिक मूल्यों की स्थापना की दिशा में लगे हुए हैं। यह सारे कार्य हृदय को प्रसन्नता से भर देते हैं। जो इसे देखता है प्रसन्न होता है। कुछ संदेश ग्रहण करता है। फिल्म बनाने वाले को भी संतोष होता है कि उसने एक नेक काम किया। श्रेष्ठ साहित्य की रचना करके भी सुख की अनुभूति होती है। कहने का मतलब यह है कि स्वर्ग-नरक सब यहीं है। श्रेष्ठ कर्म स्वर्ग है और निकृष्ट कर्म नरक। जो विवेकवान हैं, वे इस मर्म को समझते हैं। जो जानबूझकर भी अनजान बने रहते हैं, उनके बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता।

मनुष्य दो तीखी चोटियों पर तेजी से बूढ़ा हो जाता है

डॉ. विजय गर्ग

पीढ़ियों से यह माना जाता रहा है कि युवावस्था से बुढ़ापे तक उम्र बढ़ने की प्रक्रिया धीमी और स्थिर होती जाती है। हालाँकि, आधुनिक जैव-चिकित्सा अनुसंधान एक अलग कहानी सुझाता हैः मानव आयु जीवन के दो प्रमुख चरणों में समान रूप से प्रगति करने के बजाय तेजी से बढ़ जाती है। ये महत्वपूर्ण मोड़ इस बात को नया रूप देते हैं कि हम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निवारक देखभाल को किस प्रकार समझते हैं।

दो प्रमुख उम्र बढ़ने की चोटियाँ

नेचर एजिंग में प्रकाशित एक ऐतिहासिक अध्ययन से पता चला है कि 44 और 60 वर्ष की आयु के आसपास शरीर में नाटकीय जैविक परिवर्तन होते हैं। हजारों अणुओं और सूक्ष्मजीवों पर नज़र रखने वाले शोधकर्ताओं ने पाया कि उम्र बढ़ने की प्रक्रिया धीरे-धीरे नहीं होती, बल्कि यह त्वरित परिवर्तन के साथ होता है।

शिखर 1: 40 के दशक का मध्य (लगभग आयु 44)

उम्र बढ़ने से संबंधित परिवर्तन की पहली लहर अक्सर 40 के दशक के मध्य में होती है और यह पुरुषों और महिलाओं दोनों को प्रभावित करती है।

प्रमुख जैविक परिवर्तनः

वसा, अल्कोहल और कैफीन चयापचय में परिवर्तन

हृदय संबंधी जोखिम मार्कर में वृद्धि

बढ़ती सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव

त्वचा और मांसपेशियों में परिवर्तन तेजी से होने लगते हैं

यद्यपि रजोनिवृत्ति महिलाओं में होने वाले परिवर्तनों को प्रभावित कर सकती है, लेकिन शोधकर्ताओं ने पुरुषों में भी इसी प्रकार के बदलाव देखे हैं, जो व्यापक जैविक कारणों का संकेत देते हैं।

लोग क्या नोटिस कर सकते हैंः

चयापचय धीमा होना और वजन बढ़ना, ऊर्जा और सहनशक्ति में कमी, दीर्घकालिक स्वास्थ्य जोखिम के प्रारंभिक संकेत, शिखर 2: 60 के दशक की शुरुआत (लगभग 60 वर्ष), दूसरी और अक्सर अधिक स्पष्ट वृद्धावस्था 60 के दशक की शुरुआत में होती है।

प्रमुख जैविक परिवर्तनः

प्रतिरक्षा प्रणाली की कार्यप्रणाली में गिरावट

कार्बोहाइड्रेट चयापचय में परिवर्तन, गुर्दे और हृदय स्वास्थ्य में बदलाव, मांसपेशियों और त्वचा की निरंतर उम्र बढ़ना

यह चरण आयु-संबंधी बीमारियों के प्रति बढ़ती भेद्यता और पुनर्योजी क्षमता में कमी से मेल खाता है।

सामान्य अनुभवः

बीमारी से धीरे-धीरे उबरना, मांसपेशियों की ताकत में कमी

अधिक थकान और कम लचीलापन बुढ़ापे में तेजी क्यों आती है?

वैज्ञानिक अभी भी इसके कारणों की जांच कर रहे हैं, लेकिन कई कारक प्रभावशाली प्रतीत होते हैं

आणविक और कोशिकीय परिवर्तन

इन शिखरों के दौरान मापे गए लगभग 81% बायोमोलेक्यूल्स में महत्वपूर्ण परिवर्तन होता है, जिससे चयापचय, प्रतिरक्षा और अंग कार्य प्रभावित होते हैं।

माइक्रोबायोम परिवर्तन

हमारे शरीर में और उस पर रहने वाले बैक्टीरिया और सूक्ष्मजीव भी नाटकीय रूप से बदल जाते हैं, जिससे पाचन, प्रतिरक्षा और सूजन प्रभावित होती है।

जीवनशैली और पर्यावरणीय कारक

तनाव, आहार, शारीरिक गतिविधि, नींद की गुणवत्ता और विषाक्त पदार्थों के संपर्क में आने से जैविक उम्र बढ़ने की प्रक्रिया बढ़ सकती है।

हार्मोनल और चयापचय परिवर्तन

हार्मोनल उतार-चढ़ाव और चयापचय परिवर्तन से ऊतकों की उम्र बढ़ने और रोग का खतरा बढ़ सकता है।

स्वास्थ्य और दीर्घायु के लिए इसका क्या अर्थ है

इन चोटियों को समझने से लक्षित निवारक देखभाल की अनुमति मिलती है। 40 वर्ष की आयु में निवारक रणनीतियाँः व्यायाम और आहार के माध्यम से हृदय स्वास्थ्य को बनाए रखें

रक्तचाप, कोलेस्ट्रॉल और ग्लूकोज की निगरानी करें शराब का सेवन कम करें और तनाव को प्रबंधित करें 60 वर्ष की आयु में निवारक रणनीतियाँः

मांसपेशी द्रव्यमान को संरक्षित करने के लिए शक्ति प्रशिक्षण

पोषण और टीकाकरण के माध्यम से प्रतिरक्षा को बढ़ावा दें

नियमित स्वास्थ्य जांच और गुर्दे की कार्यप्रणाली की जांच

स्वस्थ जीवनशैली की आदतें - जिसमें व्यायाम, पौष्टिक भोजन, नींद और तनाव प्रबंधन शामिल हैं - त्वरित उम्र बढ़ने के प्रभाव को कम कर सकती हैं। उम्र बढ़ना गिरावट नहीं है – यह अनुकूलन को बढ़ावा देता है

ये निष्कर्ष इस मिथक को चुनौती देते हैं कि उम्र बढ़ना एक सहज यात्रा है। इसके बजाय, जीवन जैविक चरणों में आगे बढ़ता है, जिनमें से प्रत्येक अनुकूलन और नवीनीकरण के अवसर प्रदान करता है।

इन उपलब्धियों से डरने के बजाय, उन्हें समझने से हमें तैयारी करने, अपने स्वास्थ्य की रक्षा करने और न केवल जीवनकाल बढ़ाने में मदद मिलती है। उम्र बढ़ना अपरिहार्य हो सकता है, लेकिन हमारी उम्र कैसे बढ़ती है, यह अभी भी काफी हद तक हमारे नियंत्रण में है।

डॉ. विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रधान शैक्षिक स्तंभकार प्रख्यात शिक्षाविद स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

बांग्लादेश में सत्ता बदली, अब सबसे बड़ा सवाल भारत और चीन के बीच नई सरकार किस राह चलेगी

शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग ने चुनाव में हिस्सा नहीं लिया था। अब संभावना यही है कि पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे और बीएनपी के अध्यक्ष तारिक रहमान के हाथों में देश की कमान होगी। गौरतलब है कि बीएनपी ने अपने चुनाव अभियान की शुरुआत 'बांग्लादेश सबसे पहले' के नारे के साथ की थी।

बांग्लादेश में हुए चुनावों के बाद जैसे नतीजे आए हैं, उससे साफ है कि अब वहां सत्ता और सियासत का एक नया अध्याय शुरू होने जा रहा है। खासतौर पर इसलिए भी कि वहां कुल 300 में से बीएनपी यानी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी को अकेले 209 सीटें मिली हैं। इसके बरक्स जमात-ए-इस्लामी और उसके सहयोगियों को सत्तहत्तर सीटें मिली हैं। जबकि वर्ष 2024 में बांग्लादेश में हुई व्यापक उथल-पुथल के दौरान छात्र आंदोलनों से निकली एनसीपी यानी नेशनल सिटिजंस पार्टी को सिर्फ छह सीटें मिल सकीं।

शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग ने चुनाव में हिस्सा नहीं लिया था। अब संभावना यही है कि पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे और बीएनपी के अध्यक्ष तारिक रहमान के हाथों में देश की कमान होगी। गौरतलब है कि बीएनपी ने अपने चुनाव अभियान की शुरुआत 'बांग्लादेश सबसे पहले' के नारे के साथ की थी।

अब जबकि बीएनपी को देश के मतदाताओं ने भारी बहुमत से जिताया है, तो उसके बाद यह देखने की बात होगी कि नई सरकार अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक मोर्चे पर इस नारे को किस हद तक केंद्र में रख पाती है। खासतौर पर चीन ने जिस तरह बांग्लादेश में दीर्घकालिक हित के मद्देनजर लंबी अवधि के लिए भारी निवेश किया है, उसमें नई सरकार के लिए अपने देश के हित के सवालों पर 'सबसे पहले' की नीति सुनिश्चित करना संवेदनशील फैसला होगा। मगर बांग्लादेश की असली परीक्षा भारत के साथ अपने संबंधों की दिशा तय करने के संदर्भ में होगी।

दरअसल, इस क्षेत्र की भौगोलिक हकीकत यह तय करती है कि बांग्लादेश के संबंध में भारत की भूमिका निर्णायक रहेगी। बांग्लादेश की करीब चौरानबे फीसद सीमा भारत के साथ लगी हुई है। यानी सुरक्षा और व्यापार के मामले में बांग्लादेश के लिए भारत की अनदेखी करना आसान नहीं होगा। बहुत कुछ इस पर निर्भर होगा कि मतभेद के कई बिंदुओं के बावजूद बांग्लादेश की नई सरकार भारत को लेकर क्या रुख अपनाती है। हाल के समय में बांग्लादेश में जिस तरह का तीव्र ध्रुवीकरण देखा गया, उसे संभालना और फिर से सहज माहौल बनाना वहां की नई सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती होगी।

यह चिंता सरकार के उन आंकड़ों से उपजी है, जिनमें कहा गया है कि देश के प्रधान न्यायाधीश के कार्यालय को वर्ष 2016 से अब तक मौजूदा न्यायाधीशों के खिलाफ 8,600 से अधिक शिकायतें मिली हैं। सरकार की ओर से शुक्रवार को लोकसभा में यह जानकारी दी गई, जिसके मुताबिक वर्ष 2024 में सबसे अधिक शिकायतें दर्ज की गईं। यानी समय के साथ शिकायतों का यह सिलसिला बढ़ रहा है।

जजों के खिलाफ 10 साल में 8,600 से अधिक शिकायतें

न्यायपालिका लोकतंत्र का अत्यंत महत्त्वपूर्ण स्तंभ होता है, जो कानून के शासन को बनाए रखने और संविधान की मौलिकता के संरक्षण में अहम भूमिका निभाता है। भारत में न्यायपालिका को न्याय का मंदिर कहा जाता है, जहां विवादों का निस्तारण कर नागरिक अधिकारों की रक्षा की जाती है। किसी भी तरह की परेशानी या जटिल परिस्थिति में नागरिकों के लिए न्यायपालिका अंतिम आस होती है। ऐसे में अगर न्यायिक अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर ही सवाल उठने लगे, तो उस भरोसे का क्या होगा, जो न्याय की उम्मीद पर टिका होता है।

यह चिंता सरकार के उन आंकड़ों से उपजी है, जिनमें कहा गया है कि देश के प्रधान न्यायाधीश के कार्यालय को वर्ष 2016 से अब तक मौजूदा न्यायाधीशों के खिलाफ 8,600 से अधिक शिकायतें मिली हैं। सरकार की ओर से शुक्रवार को लोकसभा में यह जानकारी दी गई, जिसके मुताबिक वर्ष 2024 में सबसे अधिक शिकायतें दर्ज की गईं। यानी समय के साथ शिकायतों का यह सिलसिला बढ़ रहा है।

दरअसल, लोकतंत्र में न्यायपालिका से उम्मीद की जाती है कि वह निष्पक्षता, पारदर्शिता, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ काम करेगी। नागरिक अधिकारों की रक्षा करना न्यायपालिका की सर्वोच्च प्राथमिकता होती है, इसलिए वह जनता के लिए साहस और आत्मविश्वास का स्रोत भी होती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में शक्ति संतुलन बनाए रखने में भी इसकी भूमिका अहम है।

आम आदमी की न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए न्यायिक प्रणाली की शुचिता को बनाए रखना बेहद जरूरी है और यह तभी संभव हो पाता है, जब न्यायिक अधिकारियों का आचरण पूरी तरह पाक-साफ हो। इसमें दोराय नहीं कि विधायिका और कार्यपालिका की तुलना में आम नागरिक न्यायपालिका पर अधिक निर्भर रहते हैं, क्योंकि उन्हें न्याय प्रणाली पर पूरा भरोसा होता है। न्यायिक प्रक्रिया भी तभी निष्पक्ष और निर्भीक हो सकती है, जब वह किसी भी तरह के अनुचित हस्तक्षेप से पूरी तरह मुक्त हो।

नियमानुसार उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के खिलाफ शिकायतों का निपटारा न्यायपालिका द्वारा 'आंतरिक तंत्र' के माध्यम से किया जाता है। वर्ष 1997 में सुप्रीम कोर्ट की ओर से दो प्रस्ताव पारित किए गए थे, जिनके तहत शीर्ष अदालत और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के अनुपालन के लिए कुछ मानक और सिद्धांत निर्धारित किए गए थे। इनका पालन न होने पर आंतरिक प्रक्रिया के तहत संबंधित न्यायिक अधिकारियों पर कार्रवाई की जाती है। मगर, न्यायाधीशों के खिलाफ शिकायतें बढ़ने का क्रम यह दर्शाता है कि आंतरिक जांच प्रक्रिया या तो धीमी है या फिर उसमें कोई बाधा उत्पन्न हो रही है। न्यायपालिका में भी भ्रष्टाचार के मामले यदाकदा सामने आते रहते हैं, लेकिन उनकी जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता और समय सीमा का अभाव नजर आता है।

पिछले वर्ष मार्च में सामने आए एक न्यायाधीश के दिल्ली स्थित आवास पर जले हुए नोटों की गड्डी मिलने के मामले में अब तक कोई खास प्रगति न होने पर भी सवाल उठ रहे हैं। माना जा रहा है कि अगर यह मामला किसी प्रशासनिक अधिकारी या आम नागरिक से जुड़ा होता, तो जांच प्रक्रिया अब तक काफी आगे पहुंच गई होती। इस स्थिति के पीछे उच्च न्यायपालिका के न्यायाधीशों के मामलों में जांच और कार्रवाई की प्रक्रिया का जटिल ढांचा भी एक बड़ा कारण है, जिसे सरल एवं स्पष्ट बनाए जाने की जरूरत है, ताकि न्यायिक प्रक्रिया में नागरिकों का भरोसा कायम रहे।

भारत -पाक मैच : भारत की जीत पर आईं प्रतिक्रिया

सहवाग बोले- फुल कंबल कुटाई, दिल्ली पुलिस ने लिखा- गलत जगह यू-टर्न लोगे तो मुंह की खाओगे

नई दिल्ली। भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप में रविवार को पाकिस्तान को 61 रन से हरा दिया। इसमें ओवर ईशान किशन ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 40 बॉल पर 77 रन की पारी खेली। इस पारी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। भारत की जीत और ईशान की पारी के बाद सचिन तेंदुलकर से लेकर अमित शाह तक कई दिग्गजों ने टीम को बधाई दी।।

वहीं, पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने मैच के बाद तंज कसते हुए इसे फुल कंबल कुटाई बताया। वहीं दिल्ली पुलिस ने भी मजेदार अंदाज में पोस्ट करते हुए लिखा, गलत जगह यू-टर्न लोगे तो यूं ही मुंह की खाओगे।

भारत ने धूम मचा दी- सचिन सचिन तेंदुलकर ने एक्स पर लिखा, पावरप्ले ही वो दौर रहा जहां भारत ने मुकाबले को पूरी तरह अपने कब्जे में कर लिया। पहली पारी में ईशान किशन की दमदार बल्लेबाजी ने टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई, जबकि दूसरी पारी में भारतीय गेंदबाजों की सटीक और अनुशासित गेंदबाजी ने मैच पर शिकंजा कस दिया। शुरुआत से ही टीम ड्राइविंग सीट पर नजर आई और अंत तक दबदबा बनाए रखा। भारत ने आज शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबले में पूरी तरह धूम मचा दी।

शानदार जीत के लिए ढेरों बधाई- अमित शाह टीम इंडिया ने शानदार खेल दिखाया।

फॉर्मेट बदलते हैं, मैदान बदलते हैं, तारीखें बदलती हैं, लेकिन भारत-पाकिस्तान मुकाबले का नतीजा अक्सर एक जैसा ही रहता है। एक बार फिर भारतीय टीम ने दबाव के मैच में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जीत अपने नाम की। पूरी टीम को इस शानदार जीत के लिए ढेरों बधाई। भारत का हर डिपार्टमेंट में बेहतर प्रदर्शन- सहवाग वीरेंद्र सहवाग ने लिखा, ईशान किशन ने सच में धुरंधर बल्लेबाज की तरह खेल दिखाया।

उनकी पारी ने मैच का रुख ही बदल दिया। भारत के सामने पाकिस्तान की टीम काफी दबाव में नजर आई और टी-20 क्रिकेट के तेज अंदाज के मुकाबले उनका खेल थोड़ा पुराना और धीमा लगा। नतीजा यह रहा कि उन्हें एकतरफा हार का सामना करना पड़ा। टीम इंडिया ने हर डिपार्टमेंट में बेहतर प्रदर्शन करते हुए पूरी तरह दबदबा बनाए रखा और मुकाबला अपने नाम किया। पूरी तरह कंबल कुटाई।दिल्ली पुलिस का मजेदार पोस्ट भारत की जीत के बाद दिल्ली पुलिस ने मजेदार पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा, गलत जगह यू-टर्न लोगे तो यूहीं मुंह की खाओगे।

महाशिवरात्रि पर महाविजय- ष्टरू योगी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पाकिस्तान के खिलाफ भारत की जीत के तुरंत बाद एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, महाशिवरात्रि पर महाविजय की देश वासियों को हार्दिक बधाई। भारतीय क्रिकेट टीम के सभी सदस्यों का अभिनंदन। जय हिन्द।

मेन इन ब्लू को सलाम- आनंद महिंद्रा बिजनेसमैन आनंद महिंद्रा ने लिखा, भारत ने इस मुकाबले में प्रतिभा और प्रदर्शन के दम पर पाकिस्तान को पूरी तरह पछाड़ दिया और कई लोगों को यह नतीजा पहले से तय सा लगा। कुछ तो यह भी कहने लगे हैं कि अब यह राइवलरी पहले जैसी नहीं रही। लेकिन खेल में जीत कभी भी तय नहीं होती। भारत-पाकिस्तान का मुकाबला अपने साथ इतिहास, जज्बात और जबरदस्त दबाव लेकर आता है। कागज पर चाहे जितना भी अंतर दिखे, मानसिक दबाव हमेशा असली परीक्षा लेता है। ऐसे में मेन इन ब्लू को सलाम, आपने सिर्फ मैदान पर ही नहीं, बल्कि अपने हौसले और हमारे दिलों में भी जीत हासिल की।

बड़े मुकाबले बड़े जज्बे की मांग करते हैं- युवी पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने लिखा, बड़े मुकाबले

यह जीत भारत के लिए : सूर्यकुमार

भारतीय टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया। भारत ने ईशान किशन के अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 175 रन बनाए। भारत के लिए ईशान किशन ने अर्धशतक लगाया। पाकिस्तान की टीम 18 ओवर में 114 रन पर ऑलआउट हो गई। यह भारत की टी20 में पाकिस्तान के खिलाफ रनों के अंतर से सबसे बड़ी जीत है। इस मैच में पहले ईशान किशन ने शानदार प्रदर्शन किया और फिर भारतीय गेंदबाजों ने अपना दम दिखाया।

सूर्यकुमार ने कहा कि इस पिच पर 155 रन प्रतिस्पर्धी स्कोर होता और वह 15 से 20 रन अधिक बनाने में सफल रहे। भारतीय टी20 कप्तान ने कहा, मेरे ख्याल से यह जीत भारत के लिए है। हम इसी तरह का क्रिकेट खेलना चाहते थे। इस पिच पर पहले बल्लेबाजी करना बेहतर विकल्प था। पहले बल्लेबाजी करते समय यह कहना मुश्किल था कि प्रतिस्पर्धी स्कोर कितना होता। लेकिन जैसे ही हम 175 पर पहुंचे तो हमें लगा कि हमने प्रतिस्पर्धी स्कोर से 15-20 रन अधिक बना लिए हैं। 155 रन पर यह बहुत करीबी मुकाबला होता।भारतीय कप्तान ने अपने बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने वैसा ही क्रिकेट खेला जैसा वे खेलना चाहते थे। सूर्यकुमार ने कहा, हमने वैसा ही क्रिकेट खेला जैसा हम खेलना चाहते थे। ईशान ने भी उसकी तरह की बल्लेबाजी की। ईशान ने कुछ अलग सोचा। एक रन पर पहला विकेट गंवाने के बाद किसी को जिम्मेदारी लेने की जरूरत थी और उसने कमाल का काम किया। जिस तरह से तिलक वर्मा, शिवम दुबे और रिंकू सिंह ने बल्लेबाजी की, वह काबिलेतारीफ है।

अफगानिस्तान की इस टी-20 वर्ल्ड कप में पहली जीत, यूएई को 5 विकेट से हराया

नई दिल्ली। अफगानिस्तान ने टी-20 वर्ल्ड कप के 28वें मैच में संयुक्त अरब अमीरात को 5 विकेट से हराकर पहली जीत दर्ज की। सोमवार को दिन के पहले मैच में अफगानिस्तान ने दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया।

श्व ने 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 160 रन बनाए। जवाब में अफगान टीम ने 19.2 ओवर में 5 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। अफगानिस्तान के लिए अजमतुल्लाह उमरजई ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने 4 विकेट लिए और 21 बॉल पर नाबाद 40 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

इस जीत के बाद अफगानिस्तान ग्रुप-डी के पॉइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर आ गया है। वहीं, श्व चौथे नंबर पर खिसक गई। दोनों के 3-3 मैच में 2-2 पॉइंट्स है, लेकिन अफगानिस्तान के रन रेट सही होने की वजह से वह एक स्थान ऊपर है।

इब्राहिम जादरान ने 53 रन बनाए टारगटे का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान के लिए इब्राहिम जादरान ने सबसे ज्यादा 53 रन बनाए। उनके अलावा अजमतुल्लाह उमरजई ने नाबाद 40, दरविश रसूली ने 33, सेदिकुल्लाह अटल 16 और गुलबदीन नाईब 13 रन बनाए। रहमानुल्लाह गुरबाज खाता भी नहीं खोल सके। यूएई के लिए मुहम्मद अरफान और जुनैद सिद्दीकी ने 2-2 विकेट लिए। मुहम्मद जवादुल्लाह को 1 विकेट मिला।

सोहैब खान ने अर्धशतक लगाया यूएई के लिए सोहैब खान ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 48 बॉल पर 68 रन की पारी खेली। उनके अलावा अलीशान शराफू 31 बॉल पर 40 रन बनाए। अफगानिस्तान के लिए अजमतुल्लाह उमरजई ने 4 और मुजीब उर रहमान ने 2 विकेट लिए। राशिद खान को 1 विकेट मिला। इसी के साथ उनके टी-20 करियर में 700 विकेट पूरे हो गए।

इंग्लैंड की तीसरी जीत, इटली को 24 रन से हराया

नई दिल्ली। इंग्लैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप में इटली को 24 रनों के अंतर से हरा दिया है। सोमवार के दूसरे मैच में मिली इस जीत से टीम सुपर-8 की रेस में बरकरार है। कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में ग्रुप-सी के मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। इंग्लिश टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 202 रन बनाए।

जवाबी पारी में इटली 20 ओवर में 178 रन पर ऑलआउट हो गई। बेन मेनेंटी ने 60 रन बनाए। जबकि जस्टिन मोस्का ने 43 रन की पारी खेली। दोनों ने 92 रनों की साझेदारी की। सैम करन और जैमी ओवरटन ने 3-3 विकेट झटके।

इंग्लैंड की ओर से विल जैक्स ने 22 बॉल पर नाबाद 53 रनों की पारी खेली। इस पारी में 3 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। टॉम बैंटन ने 30, फिल सॉल्ट ने 28 और सैम करन ने 25 रन का योगदान दिया। इटली की ओर से ग्रांट स्टुअर्ट और क्रिशन कालुगामगे को 2-2 विकेट मिले।

राशिद खान ने रचा इतिहास, टी20 में 700 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने

नई दिल्ली । अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान टी20 क्रिकेट में 700 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद ने टी20 विश्व कप 2026 में सोमवार को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में यूएई के खिलाफ खेले गए मैच में यह उपलब्धि हासिल की। राशिद ने यूएई की पारी के 16वें ओवर में मुहम्मद अरफान को आउट करके टी20 में अपना 700वां विकेट हासिल किया। अरफान ने रिवर्स स्वीप करने की कोशिश की लेकिन चूक गए और हिट विकेट हो गए। राशिद ने पिछले सप्ताह अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए मुकाबले में अपना 698वां और 699वां विकेट लिया था।

लीग क्रिकेट और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मिलाकर टी20 फॉर्मेट में सबसे ज्यादा विकेट राशिद खान के बाद वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो के नाम हैं। ब्रावो ने 631 विकेट लिए हैं। तीसरे नंबर पर वेस्टइंडीज के स्पिनर सुनील नरेन हैं। नरेन के नाम 613 विकेट हैं।

राशिद ने अंतरराष्ट्रीय टी20 में भी सबसे ज्यादा विकेट (191) हासिल किए हैं। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज टिम साउदी (164) और लेग-स्पिनर ईश सोढ़ी (162) दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

व्यापार

थोक महंगाई 10 महीने में सबसे ज्यादा : जनवरी में बढ़कर 1.81% पर पहुंची, खाने-पीने की चीजें महंगी हुईं

नई दिल्ली। जनवरी में थोक महंगाई बढ़कर 1.81% पर पहुंच गई है। इससे पहले दिसंबर में थोक महंगाई 0.83% पर थी। ये 10 महीनों में सबसे ज्यादा है। मार्च 2025 को ये 2.05% पर थी। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने आज यानी 16 फरवरी को थोक महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं।

रोजाना जरूरत के सामान, खाने-पीने की चीजें महंगी हुई

रोजाना की जरूरत वाले सामानों (प्राइमरी आर्टिकल्स) की महंगाई 0.21% से बढ़कर 2.21% हो गई। खाने-पीने की चीजों (फूड इंडेक्स) की महंगाई माइनस 0.43% से बढ़कर 1.55% हो गई। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर माइनस 2.31% से घटकर माइनस 4.01 रही। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 1.82% से बढ़कर 2.86% रही।

होलसेल महंगाई के तीन हिस्से प्राइमरी आर्टिकल, जिसका वेटेज 22.62% है। फ्यूल एंड पावर का वेटेज 13.15% और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट का वेटेज सबसे ज्यादा 64.23% है। प्राइमरी आर्टिकल के भी चार हिस्से हैं।

फूड आर्टिकल्स जैसे अनाज, गेहूं, सब्जियां

नॉन फूड आर्टिकल में ऑयल सीड आते हैं, मिनरल्स, क्रूड पेट्रोलियम

रिटेल महंगाई 8 महीनों के हाई पर

जनवरी में रिटेल महंगाई पिछले महीने के मुकाबले बढ़कर 2.75% पर पहुंच गई है। दिसंबर में ये 1.33% पर थी। 8 महीनों में सबसे ज्यादा है। मई 2025 में महंगाई 2.82% पर पहुंच गई थी।होलसेल प्राइस इंडेक्स का आम आदमी पर असर थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए डबलूपीआई को कंट्रोल कर सकती है।

जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। डबलूपीआई में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है।

टोरेंट पावर ने लार्सन एंड टुब्रो की इकाई से नाभा पावर के अधिग्रहण की घोषणा की

नई दिल्ली। टोरेंट पावर ने लार्सन एंड टुब्रो की इकाई से नाभा पावर के अधिग्रहण की घोषणा की है। कंपनी के बयान के अनुसार यह सौदा 6,889 करोड़ रुपये के एंटरप्राइज वैल्यू पर किया जाएगा। कंपनी के अनुसार, यह सौदा जरूरी नियामकीय मंजूरियों और सामान्य क्लोजिंग शर्तों के अधीन रहेगा। नाभा पावर लिमिटेड (एनपीएल) एल एंड टी पावर डेवलपमेंट लिमिटेड (एल एंड टीपीडीएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, जो स्वयं इंफ्रास्ट्रक्चर दिग्गज रुञ्ज की सब्सिडियरी है।

टोरेंट पावर की परिचालन क्षमता बढ़ेगी

इस अधिग्रहण के पूरा होने के बाद टोरेंट पावर की परिचालन क्षमता 5 गीगावॉट से बढ़कर 6.4 गीगावॉट हो जाएगी। टोरेंट ग्रुप के चेयरमैन समीर मेहता ने कहा कि एनपीएल कंपनी के पोर्टफोलियो में एक स्थापित ऑपरेटिंग एसेट जोड़ेगी, जो पूरी तरह अनुबंधित कैश फ्लो और मजबूत ऑपरेशनल ट्रैक रिकॉर्ड से समर्थित है। उन्होंने कहा कि यह अधिग्रहण पहले दिन से ही राजस्व और मुनाफे में उल्लेखनीय बढ़ोतरी करेगा।

मुख्य व्यवसायों को मजबूत करने का लक्ष्य

वहीं, एनएंडटी के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर एस.एन. सुब्रह्मण्यन ने कहा कि एनपीएल की बिक्री कंपनी की मुख्य व्यवसायों को मजबूत करने और वैल्यू अनलॉक करने की रणनीति के अनुरूप है, जिससे दीर्घकालिक हितधारकों के लिए मूल्य सृजन होगा।

साल 2014 में चालू हुआ नाभा पावर का 1,400 मेगावॉट सुपरक्रिटिकल कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांट पंजाब के पटियाला जिले के राजपुरा में स्थित है और यह 25 वर्षीय पावर परचेज एग्रीमेंट के तहत संचालित होता है। प्लांट के पास एसईसीएल और एनसीएल के साथ दीर्घकालिक ईंधन आपूर्ति समझौते भी हैं, साथ ही वैकल्पिक कोयला खरीद की व्यवस्था भी मौजूद है।

कंपनी के अनुसार, इस सुपरक्रिटिकल पावर एसेट ने वित्त वर्ष 2024-25 में 4,866 करोड़ रुपये का राजस्व, 1,153 करोड़ रुपये का समायोजित ईबीआईटीडीए और 95.36 प्रतिशत का प्लांट अवेलेबिलिटी फैक्टर दर्ज किया।करीब 45,000 करोड़ रुपये के टॉरेंट ग्रुप की प्रमुख कंपनी टोरेंट पॉवर देश की प्रमुख एकीकृत पावर यूटिलिटीज में से एक है, जिसकी मौजूदगी उत्पादन, ट्रांसमिशन और वितरण सहित पूरे पावर वैल्यू चेन में है।

चांदी 1,486 सस्ती हुई, कीमत 2.41 लाख/किलो, 18 दिन में 1.45 लाख की गिरावट

नई दिल्ली। चांदी के दाम में आज 16 फरवरी को लगातार तीसरे कारोबारी दिन गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, एक किलो चांदी की कीमत 1,486 रुपए गिरकर 2,40,947 रुपए किलो पर आ गई है। इससे पहले शुक्रवार को चांदी की कीमत 2,42,433 रुपए किलो थी।

वहीं, आज 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 1,333 रुपए बढ़कर 1,54,098 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले शुक्रवार को ये 1,52,765 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। हालांकि, पिछले तीन कारोबारी दिनों में चांदी ?25,502 और सोना 3,224 रुपए सस्ता हुआ है।

सर्राफा बाजार में 29 जनवरी को सोने ने 1,76,121 रुपए और चांदी ने 3,85,933 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था। तब से अब तक सोना 22,023 रुपए और चांदी 1,44,986 सस्ती हो चुकी है।

अलग-अलग शहरों में रेट्स अलग क्यों होते हैं?

इब्जा की सोने की कीमतों में 3% जीएसटी, मेकिंग चार्ज, ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता। इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल आरबीआई सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं। पिछले तीन कारोबारी सत्रों में सोने-चांदी की कीमतों में तेज गिरावट आई है। इस दौरान सोना करीब 15% तक सस्ता हो गया था। अब कीमतें स्थिर होते ही निवेशकों ने निचले स्तर पर खरीदारी शुरू कर दी है। हालांकि, जानकारों का कहना है कि अभी सोने-चांदी में एक मुश्त पैसा लगाने से बचना चाहिए। इसकी जगह धीरे-धीरे निवेश करना ज्यादा फायदेमंद होगा।

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता अप्रैल से लागू होने की संभावना, ब्रिटिश संसद में चल रही बहस

भारत और ब्रिटेन के बीच जुलाई 2025 में हस्ताक्षरित व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) अप्रैल 2026 से लागू होने की संभावना है। दोनों देशों के बीच इस समझौते को समानांतर रूप से लागू करने की तैयारी चल रही है।

जुलाई में हुए समझौते के तहत भारत के 99% निर्यात ब्रिटेन के बाजार में शून्य शुल्क पर प्रवेश करेंगे। वहीं, भारत में ब्रिटिश उत्पादों, जैसे कार व स्कॉच व्हिस्की, पर आयात शुल्क में चरणबद्ध कमी की जाएगी। स्कॉच व्हिस्की पर शुल्क 150% से घटाकर 75% किया जाएगा और 2035 तक इसे 40% तक लाया जाएगा। ऑटोमोबाइल पर आयात शुल्क पांच वर्षों में घटाकर 10% किया जाएगा, जो अभी 110% तक है। समझौते के तहत भारत ने चॉकलेट, बिस्कुट और सौंदर्य प्रसाधन जैसे उपभोक्ता उत्पादों के लिए बाजार खोला है, जबकि भारतीय वस्त्र, जूते, रत्न-आभूषण, खेल सामग्री व खिलौनों को ब्रिटेन में पहुंच मिलेगी।

दोहरा अंशदान संधि पर भी हैं हस्ताक्षर

दोनों देशों ने दोहरा अंशदान संधि पर भी हस्ताक्षर किए हैं, जिससे अस्थायी कर्मियों को सामाजिक अंशदान दो बार नहीं देना होगा। समझौते को लागू करने से पहले ब्रिटेन की संसद की मंजूरी आवश्यक है। वहां हाउस ऑफ कॉमन्स और हाउस ऑफ लॉर्ड्स में इस पर बहस और समीक्षा चल रही है। इसका उद्देश्य 2030 तक 56 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करना है।

मंत्री दिलीप जायसवाल ने अधिकारियों के साथ बैठक ली, दिए निर्देश

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)दिलीप जायसवाल ने आज मंत्रालय में कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की।

बैठक के दौरान विभागीय योजनाओं की प्रगति, स्थानीय रोजगार सृजन और पारंपरिक उद्योगों को बढ़ावा देने के विभिन्न पहलुओं पर अधिकारियों से विस्तार से चर्चा की गई।

इस क्रम में देवास में प्रस्तावित पौनी हाउस के निर्माण कार्य को शीघ्र प्रारंभ

कराने, आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता तथा समयबद्ध क्रियान्वयन को लेकर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए, ताकि स्थानीय कारीगरों एवं स्व-रोजगार से जुड़े लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

साथ ही ग्वालियर में पारंपरिक कच्ची घानी तेल निर्माण इकाइयों के लिए भवन निर्माण संबंधी प्रस्ताव पर भी गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया, जिससे उत्पादन और अधिक हो सके। इसके अतिरिक्त आगामी परामर्शदात्री समिति की बैठक की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों के साथ आवश्यक विषयों, एजेंडा एवं कार्ययोजना पर चर्चा की गई, ताकि विभाग की योजनाएं अधिक प्रभावी एवं परिणाममुखी रूप से संचालित की जा सकें।

पेंशनर एवं वरिष्ठ नागरिक कल्याण संघ जिला देवास की 11वीं इकाई का गठन

अध्यक्ष हुकमचंद अमृतिया एवं सचिव कुमेरसिंह डोडिया मनोनीत

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। पेंशनर एवं वरिष्ठ नागरिक कल्याण संघ जिला देवास के संस्थापक संरक्षक एमएल मालवीय देवड़ा के मार्गदर्शन में एवं जिला अध्यक्ष पं. देवीशंकर तिवारी की अध्यक्षता एवं जिला सचिव अरविंद शर्मा देवास तहसील अध्यक्ष अनिल कुमार नागर प्रदेश कार्यसमिति उपाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण मोहरी के आतिथ्य में विजयागंज मंडी में संघ की बैठक आयोजित की गई। इसमें विजयागंज मंडी तहसील का गठन किया गया। संरक्षक रामलाल लुवानिया, किशोरीलाल शर्मा, अध्यक्ष हुकमचंद अमृतिया, उपाध्यक्ष

बाबूलाल शर्मा, सचिव कुमेरसिंह डोडिया, कोषाध्यक्ष कृपाराम पटेल, रामकरण निगम सहसचिव बनाए गए।

इसी प्रकार कार्यकारिणी सदस्य के लिए शंकरलाल मालवीय, मणीशंकर पाठक, मनोहरसिंह झाला, छगनलाल अमृतिया, नाथूलाल लुवानिया, घनश्याम पाठक आदि को कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया। सभी मनोनीत पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्यों का अतिथियों द्वारा गले में दुपट्टा डालकर पुष्पमालों से स्वागत किया गया। उपस्थित सदस्यों को सेक्टरवार प्रभारी भी बनाए गए। शीघ्र ही सदस्यता अभियान चलाकर मंडी तहसील का प्रथम वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा एवं पेंशनर की समस्या निवारण हेतु कार्य होगा। साथ ही वरिष्ठ सदस्यों का सम्मान भी किया जाएगा। वरिष्ठ सदस्य रामलाल लुवानिया ने सभी का आभार व्यक्त किया गया।

संस्था नमो-नमो ने किया अभिनव आयोजन महाशिवरात्रि के अवसर शिव बरात पर देवास में नजर आया आस्था और उल्लास का संगम

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। संस्था नमो नमो द्वारा नगर में आयोजित भव्य शिव बारात इस वर्ष वेडिंग उत्सव जैसी साज-सज्जा और आध्यात्मिक माहौल के साथ संपन्न हुई। नगर में श्रद्धा, भक्ति और सांस्कृतिक विविधता का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और पूरे आयोजन ने विवाह उत्सव जैसी आनंदमयी अनुभूति प्रदान की। शिव बारात प्रारंभ होने के पूर्व मंचीय कार्यक्रम में अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष रायसिंह सेंधव, राजीव खंडेलवाल, बहादुर मुकाती, दुर्गेश अग्रवाल, सुभाष शर्मा, शशिकांत यादव, मनीष सेन, शिवा पहलवान, विजय सिंह पंवार, मनीष सोलंकी उपस्थित थे। स्वागत भाषण संस्था संयोजक राजेश यादव ने दिया और उद्बोधन भाजपा जिलाध्यक्ष रायसिंह सेंधव, राजीव खंडेलवाल, दुर्गेश अग्रवाल और शशिकांत यादव द्वारा दिया गया। अतिथियों का स्वागत संस्था अध्यक्ष वरुण अग्रवाल, कार्यक्रम अध्यक्ष अनिल चौधरी, सुमेरसिंह ठाकुर, नरेन्द्र सोलंकी, दीपक सोनी, राकेश गुप्ता, महेश यादव, शशांक पवैया ने किया।

विशेष सम्मान समारोह

शिव बारात प्रारंभ होने से पूर्व नगर में प्रभात फेरियों के माध्यम से सनातन धर्म की अलख जगाने वाले धर्मवीर बंधु-भगिनियों का अतिथियों द्वारा भगवा दुपट्टा एवं श्रीफल देकर सम्मान किया गया। इसके पश्चात शिव बारात प्रारंभ हुई जिसमें देश के विभिन्न क्षेत्रों की सांस्कृतिक झलक दिखाई दी। केरल की ढोल पार्टी ने पूरे मार्ग में ऐसा वातावरण बनाया कि श्रद्धालु वाद्य यंत्रों की धुन पर झूमने लगे। गुजरात की मातृशक्ति डमरू पार्टी ने अपनी प्रस्तुति से विशेष आकर्षण पैदा किया। उत्तर प्रदेश की सजीव झांकियां, वनवासी समाज के नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। बेरसिया की देवी-देवताओं की झांकियां भी आकर्षण का केंद्र रहीं। बारात में शीश से गंगा धारा निकालते, डमरू बजाते नंदी पर सवार रोबोटिक शिवजी, माँ गौरा को ब्याहने जाते दूल्हा स्वरूप शिवजी और विशाल नंदी की झांकी विशेष आकर्षण रही।

उज्जैन जैसी दिव्यता का अनुभव

बारात में उस दृश्य की झलक भी देखने को मिली जिस प्रकार सावन माह में उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर से बाबा महाकाल गजराज पर सवार होकर नगर भ्रमण पर निकलते हैं। यह प्रस्तुति श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रही। श्रद्धालुओं ने भक्ति और आस्था के साथ इस दिव्य शिव बारात का दर्शन किया और आयोजन की भव्यता की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन अजय तोमर ने किया तथा आभार प्रदर्शन संजय दायमा द्वारा किया गया। शिव बारात की ऐतिहासिक सफलता पर संस्था के मनोज गर्ग, रोहित शर्मा, नितिन शेलके, गोलू पीओपी, सुरेंद्र परिहार, महेश चौहान, मनीष जैन, बंटी मंगरोलिया, नीलेश वर्मा, राम यादव, सोनू परमार, संजय ठाकुर, भूपेश ठाकुर, विकास जाट, गोपाल खत्री, राहुल गोस्वामी, शुभम जाधव, रोहित खिची (काली), रवि दायमा, मनीष काका, धीरेन्द्र दवे, लक्खा खत्री, राहुल ठाकुर, गौरव दुबे, हेमंत कोदिया, दिनेश शर्मा, ईश्वर परसिया, शशांक पवैया, जयंत यादव सहित संस्था सदस्यों ने देवास की सनातन प्रेमी जनता का आभार व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए वरदानः कलेक्टर

-वैदिक मंत्रों के साथ परिणय सूत्र में बंधे 200 जोड़े
-जनपद जैतहरी में आयोजित हुआ मुख्यमंत्री कन्या विवाह समारोह

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रीति सिंह ने कहा है कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा निःशक्त, निर्धन और कमजोर परिवारों की सहायता के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन्ही योजनाओं में से एक है मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना। जो आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि यह योजना उन गरीब परिवारों के लिए विशेष सहारा है, जो आर्थिक तंगी के कारण अपनी बेटियों का विवाह धूमधाम से करने में असमर्थ हैं। ऐसे परिवारों की चिन्ता राज्य सरकार द्वारा की जा रही है। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रीति सिंह आज जनपद पंचायत जैतहरी में आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह समारोह को संबोधित कर रही थीं।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रीति सिंह ने नव दम्पत्तियों के खुशहाल, सुदीर्घ जीवन एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नव वर-वधु एक दूसरे का सम्मान करें, छोटी-छोटी बातों में दूरियां न बनाएं। गृहस्थ जीवन के संचालन हेतु आपसी सामंजस्य और समझदारी के साथ कार्य करें।

इस अवसर पर कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कहा कि विवाह हमारी संस्कृति की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। यह हमारे समाज और परिवार का आधार है। सामूहिक विवाह सम्मेलन गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए संबल और सहयोग का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है, जिसे जिला प्रशासन द्वारा प्राथमिकता के आधार पर लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने परिणय सूत्र में बंध रहे जोड़ों को उनके दांपत्य जीवन की शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत उपाध्यक्ष पार्वती राठौर ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की जितनी सराहना की जाए उतनी कम है। ऐसे आयोजन में सभी की भावनाएं जुड़ी है। कन्यादान एक बहुत बड़ा दान होता है। वर-वधु एवं परिवार वालों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए जिला पंचायत उपाध्यक्ष पार्वती राठौर ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना को कई प्रदेशों ने अपनाया है।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच 200 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्पन्न

वैदिक मंत्रों और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ 200 जोड़ों का सामूहिक विवाह समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। वैदिक आचार्यों द्वारा मंत्रोच्चार एवं विधिवत पूजन के साथ सभी जोड़ों ने सात फेरे लेकर वैवाहिक जीवन की शुरुआत की। समारोह स्थल को आकर्षक रूप से सजाया गया था, जहां बड़ी संख्या में परिजन एवं आमजन उपस्थित रहे। आयोजन के अंतर्गत भव्य बारात निकाली गई, जिसमें बैंड-बाजे और पारंपरिक वेशभूषा ने उत्सव का माहौल बना दिया। बारातियों का पुष्पवर्षा एवं आतिथ्य सत्कार के साथ स्वागत किया गया। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

हितग्राहियों को 49 हजार की प्रतीकात्मक चेक वितरित

समारोह के दौरान मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत प्रतीकात्मक रूप से रिश्ता कोल, रजनी कोल, भानवती पाव एवं यशोदा कोल सहित अन्य हितग्राहियों को 49 हजार रुपये की सहायता राशि के प्रतीकात्मक चेक जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा प्रदान किए गए। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने योजना को जरूरतमंद परिवारों के लिए महत्वपूर्ण पहल बताया। हितग्राहियों ने शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे सामाजिक सहयोग की सशक्त पहल बताया।

कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अर्चना कुमारी, जनपद पंचायत जैतहरी के अध्यक्ष राजीव सिंह,अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जैतहरी सतीश वर्मा, जिला पंचायत सदस्य रंजीत सर्राटी,अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के. के. सोनी, जनपद पंचायत जैतहरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के. के. रैकवार, मुख्य नगरपालिका अधिकारी जैतहरी भूपेन्द्र सिंह, जनपद पंचायत जैतहरी के उपाध्यक्ष, नगर परिषद जैतहरी के उपाध्यक्ष रवि राठौर, जनपद पंचायत जैतहरी के सदस्य सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, पत्रकारगण तथा संबंधित विभागों के विभागीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

पवित्र नगरी अमरकंटक में संत गुरु रविदास प्रकाशोत्सव श्रद्धा-उल्लास से सम्पन्न

अनूपपुर। अमरकंटक प्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में संत गुरु रविदास की जयंती प्रकाशोत्सव के रूप में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाई गई।

उल्लेखनीय है कि संत गुरु रविदास जी की पावन जयंती माघ मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है, किंतु विभिन्न स्थानों पर उपस्थित न हो पाने के कारण अमरकंटक में यह पर्व आज फाल्गुन कृष्ण पक्ष चतुर्दशी, 16 फरवरी 2026, सोमवार को परंपरागत ढंग से प्रकाशोत्सव के रूप में संपन्न किया गया।

इस पावन अवसर पर भक्तों, अनुयायियों एवं समर्थकों ने पारंपरिक विधि से आयोजन किया। वार्ड क्रमांक 8 स्थित नवोदय विद्यालय-कपिला संगम मार्ग तिराहा से पूजन-अर्चन के साथ भव्य शोभायात्रा एवं संत गुरु रविदास जी की पालकी निकाली गई।

शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों, धफली और भजन-कीर्तन के साथ मुख्य मार्गों से उत्साहपूर्वक निकले। सैकड़ों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं की आस्था और ऊर्जा ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दिया।

आयोजन में मध्य प्रदेश के विभिन्न अंचलों के साथ-साथ छत्तीसगढ़ और पंजाब से भी बड़ी संख्या में अनुयायी पहुंचे। बताया गया कि पंजाब से विशेष रूप से संत-महात्माओं की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया। इससे पूर्व स्थापित प्रतिमा स्थल पर विधिवत पूजन-अर्चन एवं आरती संपन्न हुई, जिसके पश्चात शोभायात्रा निकाली गई। पूरे आयोजन में श्रद्धालुओं में अपार उत्साह देखा गया और भक्तजन जोश एवं भक्ति भाव से भजन गाते हुए आगे बढ़ते रहे।

आंगनबाड़ी सहायिकाओं की अंतिम सूची प्रकाशित

अनूपपुर। महिला एवं बाल विकास परियोजना अनूपपुर, कोतमा तथा पुष्पराजगढ़ के विभिन्न आंगनबाड़ी केन्द्रों में सहायिका पद हेतु अंतिम सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी विनोद परस्ते ने बताया है कि महिला एवं बाल विकास परियोजना अनूपपुर के आंगनबाड़ी केन्द्र बनगवा (कमल नगर वार्ड-12) में सहायिका पद हेतु सुनीता बैगा, आंगनबाड़ी केन्द्र बड़ी सड्डी में सहायिका पद हेतु नेमकली पाव तथा आंगनबाड़ी केन्द्र हरिजन मोहल्ला (बम्हनी) में सहायिका पद हेतु चांदनी बैगा को चयनित किया गया है। इसी प्रकार महिला एवं बाल विकास परियोजना कोतमा के आंगनबाड़ी केन्द्र मौहरी में सहायिका पद हेतु सोनिया सिंह तथा महिला एवं बाल विकास परियोजना पुष्पराजगढ़ के आंगनबाड़ी केन्द्र बकान में सहायिका पद हेतु सुनीता देवी को चयनित किया गया है।

भूतेश्वर महादेव मंदिर की 18वीं वर्षगांठ भक्ति भाव के साथ मनाई गई

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। नगर के डाकखाना रोड पर स्थित प्राचीन श्री भूतेश्वर महादेव मंदिर की 18वीं वर्षगांठ को भक्तगणों ने भक्ति भाव उमंग उत्साह के साथ मनाया गया। अग्रवाल समाज की वरिष्ठ समाजसेवी स्व. शंकर लाल गुप्ता हेड साहब एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती दुर्गा देवी की स्मृति में परिजनों द्वारा इस श्री भूतेश्वर महादेव मंदिर की स्थापना कराई गई थी, जिसकी 18वीं सालगिरह पर भक्तगणों द्वारा भजन कीर्तन भोले बाबा की उपासना के साथ वर्षगांठ को मनाया गया। भक्तगणों ने देवाधिदेव मंदिर की सालगिरह पर केक भी काटा गया। भक्तगण को प्रसादी का भी वितरण किया गया। भक्तगणों द्वारा हर-हर महादेव ओम नमः शिवाय, ओम नमः शिवाय के जयकारे भी लगाए गए। पूरा माहौल भगवान भोलेनाथ की भक्ति में सराबोर रहा। इस भूतेश्वर महादेव मंदिर पर नियमित रूप से श्याम भक्तगणों द्वारा पूजा अर्चना के साथ प्रसाद जी का वितरण भी किया जाता है। महादेव जी का अभिषेक भी भक्तगण कर भोले बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

ओम श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर पर हुआ प्रसादी का वितरण

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। महाशिवरात्रि के पर्व पर ओम श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर न्यास के तत्वाधान में अन्नकूट प्रसादी का वितरण किया गया। 16 फरवरी सोमवार को मनकामेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में प्रातः से ही भक्तों की भीड़ का नजारा था। भक्तगण पूजा पाठ अभिषेक भी करते हुए देखे गए। श्याम के समय अन्नकूट प्रसादी का वितरण किया गया। महाशिवरात्रि के दिन ओम श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर न्यास के तत्वाधान में हल्दी मेहंदी जैसे अन्य कई कार्यक्रम किए गए। शिव-पार्वती का दिव्य विवाह का आयोजन भी हुआ। भोले बाबा की बारात उत्साह धूमधाम से भक्तों द्वारा निकाली गई। प्रसादी वितरण के दौरान महिला मंडल की महिलाएं भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं तो वहीं न्यास के डॉ. रवि माहेश्वरी, डॉ. अशोक सिंघल, संजीव सिंगला बाबूजी एडवोकेट, राजेश सिंघल राजू मंत्री, नगर पालिका अध्यक्ष अखिल माहेश्वरी सहित अन्य न्यास के सदस्यगण भगवान भोलेनाथ के भक्तगण भी उपस्थित रहे।

संस्कृत विषय के पेपर में चार परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

मुरैना/जौरा। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल के तत्वाधान में चल रही बोर्ड परीक्षाओं के तारतम्य में संस्कृत विषय के पेपर में चार परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। 16 फरवरी को जौरा विकासखंड के आठ परीक्षा केन्द्रों पर हायर सेकेंडरी परीक्षा में संस्कृत विषय का पेपर था। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी एम.एम. शुक्ला से मिली जानकारी के अनुसार 179 छात्रों में से चार परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा केन्द्रों पर पुलिस बल की मौजूदगी एवं अधिकारियों के लगातार आकस्मिक निरीक्षण के चलते नकल पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहा। कोई भी नकल प्रकरण नहीं बना।

बाल विवाह निषेध एवं रोकथाम के संबंध में जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

अनूपपुर। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर माया विश्वलाल के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर द्वारा आज कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित सोन सभागार में बाल विवाह निषेध एवं रोकथाम के संबंध में जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वय में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कलेक्ट्रेट कार्यालय के अधिकारी, कर्मचारी एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में जिला विधिक सहायता अधिकारी बृजेश पटैल ने बताया कि बाल विवाह एक दंडनीय अपराध है। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के तहत बालिका की विवाह योग्य आयु 18 वर्ष तथा बालक की 21 वर्ष निर्धारित की गई है। इस दौरान उन्होंने उपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को संभावित बाल विवाह के स्थान को चिन्हित करने तथा वहा पर जागरूकता शिविर लगाये जाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर शपथ दिलाई गई कि कोई भी व्यक्ति बाल विवाह नहीं करेगा और न ही होने देगा। अंत में उपस्थित लोगों को NLSA की हेल्पलाइन नंबर 15100 की जानकारी दी गई और बाल विवाह की सूचना तुरंत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं प्रशासन को देने का आग्रह किया गया।

सरकार एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट शीघ्र लागू करेः अभिभाषक संघ

हड़ताल पर रहते हुए किया प्रदर्शन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। अधिवक्ताओं पर लगातार हो रहे हमले एवं संजय कुमार सक्सैना की हत्या के विरोध में सोमवार को जिला अभिभाषक संघ के तत्वावधान में अधिवक्तागण हड़ताल पर रहे। न्यायालय परिसर में उनके द्वारा शांतिपूर्वक प्रदर्शन किया गया। जिसके बाद प्रधानमंत्री के नाम अपर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। जिसमें अधिवक्ताओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सरकार से एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट को तत्काल लागू किए जाने की मांग की गई है। ज्ञापन अभिभाषक संघ के अध्यक्ष हरीसिंह सिकरवार के नेतृत्व में सौंपा गया।

इस ज्ञापन में जिला अभिभाषक संघ की ओर से कहा गया है कि अधिवक्ता न्याय व्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ है, जो न्यायालय की सहायता करते हुए पक्षकारों को न्याय दिलाने का कार्य करते है। अधिवक्ताओं के असुरक्षित रहने से न्याय व्यवस्था प्रभावित होगी। अपर कलेक्टर को दिए गए ज्ञापन में विभिन्न मांगों का उल्लेख भी किया गया है।

ज्ञापन में यह रहीं अभिभाषक संघ की मांगें

- अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम को तत्काल लागू किया जाए।
- अधिवक्ताओं की सुरक्षा को विशेष प्रावधान किए जाएं।
- अधिवक्ताओं के विरुद्ध हिंसा, धमकी, उत्पीड़न को संज्ञेय एवं गैर जमानती अपराध घोषित किया जाए।
- अधिवक्ता संजय कुमार सक्सैना के हत्यारे शीघ्र गिरफ्तार किए जाएं।
- अधिवक्ताओं पर हमले की स्थिति में आश्रित परिवारीजनों को आर्थिक मदद एवं पुर्नवास सहायता प्रदान किए जाने का प्रावधान हो।

ट्रक ने स्कार्पियो को टक्कर मारी, युवक की मौत

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। नूराबाद थाना क्षेत्र में रिठौरा रोड पर बरेंडा गांव के पास एक ट्रक ने स्कार्पियो में टक्कर मार दी। हादसे में स्कार्पियो को ड्राईव कर रहे नवयुवक की मौत हो गई। हादसा रविवार की रात करीब साढ़े ग्यारह बजे होना बताया जा रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक मुरैना शहर के गोपालपुरा इलाके की श्याम गार्डन वाली गली में रहने वाला अर्जुन कंषाना उर्फ बेटू पुत्र लल्ला कंषाना रविवार की रात को अपने दोस्त को लोलकपुर गांव में छोड़ने के लिए स्कार्पियो लेकर गया था। दोस्त को उसके गांव में छोड़ने के बाद अर्जुन अकेला ही स्कार्पियो में सवार होकर मुरैना आ रहा था। इसी दौरान जब उसकी स्कार्पियो रिठौरा-टेकरी रोड पर बरेंडा गांव के पास से गुजर रही थी। तभी एक ट्रक ने स्कार्पियो को टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद कुछ दूर जाकर ट्रक पलट गया, उधर स्कार्पियो ड्राईव कर रहा अर्जुन स्टेयरिंग में फंस गया। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद उसे निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जिला जनगणना समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न

जनगणना 2027 की तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने दिए आवश्यक निर्देश

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार, मुरैना में जिला जनगणना समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी जनगणना 2027 की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

कलेक्टर श्री जांगिड़ ने बताया कि जनगणना कार्य दो चरणों में संपन्न किया जाएगा। प्रथम चरण के अंतर्गत 1 मई से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण (हाउस लिस्टिंग) का कार्य किया जाएगा, जबकि द्वितीय चरण में फरवरी 2027 में जनसंख्या गणना का कार्य संपन्न होगा। उन्होंने कहा कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व है, जिसके सफल संचालन के लिए सभी विभागों की सक्रिय सहभागिता और समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। बैठक में सहायक संचालक, भोपाल विपिन कुमार सिंह ने जानकारी दी कि जिला स्तर पर मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षण दिया जाएगा, जो आगे सेक्टर स्तर तक अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षित करेंगे, जिससे जनगणना कार्य त्रुटिरहित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जनगणना 2027 से संबंधित सभी तैयारियाँ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण की जाएँ। साथ ही विभागीय समन्वय के माध्यम से प्रशिक्षण व्यवस्था, आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता एवं मैदानी अमले की समय पर तैनाती सुनिश्चित की जाए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कमलेश कुमार भार्गव, अपर कलेक्टर श्री अश्विनी कुमार रावत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

37 साल बाद कुंभ राशि में पंचग्रही महासंयोग के साथ साल का पहला सूर्यग्रहण

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। ज्योतिष की दुनिया में खगोलीय हलचल चर अचर सभी पर असर कर हलचल मचा देती है। वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य डॉ हुकुमचंद जैन ने बताया कि 37 साल बाद कुंभ राशि में राहु के साथ सूर्य, बुध, शुक्र चंद्रमा अर्थात पंचग्रही महासंयोग के साथ वलयाकार कंकण आकृति साल का पहला सूर्य ग्रहण 17 फरवरी मंगलवार को कुंभ राशि में होने जा रहा है। यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा इसलिए भारत में धार्मिक दृष्टि से ग्रहण का सूतक मान्य नहीं होगा ।

इन जगहों पर दिखाई देगा ग्रहण – दक्षिण अमेरिका, दक्षिण अर्जेंटीना, चिली, दक्षिण अफ्रीका, अंटार्टिका, हिन्दमहासगर, जिम्बाब्वे, जांबिया आदि में पूर्ण रूपेण कंकण आकृति दिखाई देगा।

कुंभ राशि में ग्रहों का जाल– इस बार अकेले सूर्य ही ग्रहण नहीं झेल रहे बल्कि राहु के साथ कुंभ राशि में सूर्य , चन्द्र, बुध, शुक्र ग्रह साथ है एवं गुरु पर राहु की दृष्टि है। इस तरह का ग्रहों का जाल ज्योतिषी गणना से बेहद संवेदनशील कहा गया है। ग्रहण की अवधि लगभग 4 घंटे 24 मिनट होगी। भारतीय समय अनुसार ग्रहण का स्पर्श दोपहर 15:36 बजे मोक्ष 19:58 बजे होगा ।

सन् 2026 में कुल 04 ग्रहण – जैन ने बताया कि सन् 2026 में कुल चार ग्रहण पड़ेंगे। पहला सूर्य ग्रहण 17 फरवरी को भारत में अदृश्य है। दूसरा चन्द्र ग्रहण 03 मार्च को भारत में दृश्य है। तीसरा सूर्य ग्रहण 12 अगस्त हरियाली अमावस्या को भारत में अदृश्य है। चौथा चंद्र ग्रहण 28 अगस्त भारत में अदृश्य है।

सत्ता परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं के संकेत – जैन ने बताया कुंभ राशि में पंचग्रही महासंयोग के साथ सूर्य ग्रहण है जो कई मायने में वैश्विक असर करेगा। सूर्य राहु की युति शनि एवं मंगल से पंचग्रही महासंयोग घिरा हुआ है जो हिंसा, अग्नि युद्ध के हालातों के साथ वैश्विक राजनीत में तनाव नेताओं में आरोप प्रत्यारोप एवं धर्म गुरुओं पर धर्म संकट बढ़ेगा ! क्योंकि गुरु ग्रह पर राहु की पंचम दृष्टि बवाल को बढ़ाएगी। भारत की राजनीत और धर्म गुरु भी इसकी बड़ी चपेट में रहेंगे । फिर कोई हवाई हादसा, तेज हवा के साथ फरवरी के आखरी मार्च के प्रथम सप्ताह में वर्षा ओलो से फसलों को बड़ी हानि हो सकती हैं।

आरएसएस के सह सरकार्यवाह कृष्णगोपाल कल मुरैना आयेंगे

मुरैना। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्णगोपाल 18 फरवरी को एक दिवसीय प्रवास पर मुरैना आएगें। एक दिवसीय प्रवास के दौरान 18 फरवरी की सुबह 10 बजे डॉ. कृष्णगोपाल पुलिस परेड ग्राउंड के सामने स्थित एसएएफ के सामुदायिक भवन में आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर आयोजित प्रमुखजन गोष्ठी में हिस्सा लेंगे। जिसके बाद दोपहर 12.30 बजे टीएसएस इंटरनेशनल स्कूल के ऑडिटोरियम में आयोजित होने वाले पूर्व सैनिक सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। इस कार्यक्रम में शहीदों के परिवारीजनों को सम्मानित भी किया जाएगा।

बेटी के ब्याह में सेवाभावी महिलाओं ने लगा दिया उपहारों का ढेर

जेएसी मुरैना जागृति और जैन समाज की महिलाओं ने जरूरतमंद परिवार की मदद को एक बार फिर बढ़ाया हाथ

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। महिलाओं के स्वयं सेवी संगठन जेएसी मुरैना जागृति और जैन समाज की महिलाओं ने एक बार फिर एक जरूरतमंद परिवार की बेटी के ब्याह में सहयोग करके अपने सेवा संकल्प का परिचय दिया है। महिलाओं ने परिवार को न सिर्फ नकद धनराशि प्रदान की, बल्कि घर-गृहस्थी में काम आने वाले तमाम उपहार भी प्रदान किये।

जेएसी मुरैना जागृति की फाउंडर प्रेसिडेंट भावना जैन को आर्थिक रूप से कमजोर एक परिवार की बेटी के विवाह में मदद का प्रस्ताव कुछ दिन पहले मिला। हमेशा की तरह सकारात्मक रुख के साथ उन्होंने यह बात अपने संगठन की पदाधिकारियों और सदस्यों के समक्ष रखी तो सभी इस काम में सहयोग के लिए सहर्ष तैयार हो गईं। इसके अलावा जैन समाज की सेवाभावी महिलाओं से भी इस संबंध में बात की गई तो उन्होंने भी इस नेक काम में साथ देने का वादा किया।

इसके बाद सभी महिलाएं शिद्दत के साथ बेटी के ब्याह के लिए जरूरी सामान उपलब्ध कराने में जुट गईं। देखते ही देखते उपहारों का ढेर लग गया। इसके अलावा नकद धनराशि के रूप में 5100 रुपये भी महिलाओं ने उस बिटिया को दिए, जिसका विवाह होने वाला है। बारात के आगमन के समय दरवाजे पर रखे जाने वाले बर्तन आचार्य आनंद क्लब अम्बाह की ओर से प्रदान किये गए।

ये सामान दिया उपहार में

महिलाओं ने बेटी के विवाह में एक अलमारी, एक डायनिंग टेबल, डिनर सेट, दरवाजे के बर्तन, डेढ़ दर्जन साड़ियां, लहंगा, मेकअप किट, ज्वेलरी सेट, चांदी के आभूषण, चांदी का सिक्का सहित गृहस्थी में काम आने वाले अन्य आइटम्स भेंट किये हैं। महिलाओं ने कहा कि जरूरतमंद लोगों के सहयोग का संकल्प हमेशा बना रहेगा। ईश्वर ने यदि हमको इस काबिल बनाया है तो यह हमारा सौभाग्य है। समाज में जो लोग सक्षम हैं, उन्हें दूसरों के सहयोग के लिए तैयार रहना ही चाहिए। परिवार को उपहार भेंट करते वक्त जेएसी परिवार की नीता बांदिल और सपना बंसल, श्वेता मौजूद रहीं।

हायर सेकेण्ड्री के संस्कृत विषय की परीक्षा में 908 परीक्षार्थी हुए उपस्थित, 38 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

मुरैना। माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जिले में हायर सेकेण्ड्री की बोर्ड परीक्षाएँ सुव्यवस्थित रूप से संचालित की जा रही हैं। कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ के निर्देशन में परीक्षाएँ स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी वातावरण में संपन्न कराई जा रही हैं। जिला शिक्षा अधिकारी बी.एस. इंदौलिया ने जानकारी देते हुए बताया कि सोमवार को आयोजित हायर सेकेण्ड्री के संस्कृत विषय की परीक्षा में जिले के निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर पंजीकृत 946 परीक्षार्थियों में से 908 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 38 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा संचालित डी.पी.एस.ई. प्रथम वर्ष की परीक्षा भी जिले के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर शांतिपूर्वक संपन्न हुई। इस परीक्षा में पंजीकृत 52 परीक्षार्थियों में से 49 परीक्षार्थी उपस्थित हुए तथा 3 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

जीवाजीगंज में युवक फांसी पर झूला, मर्ग कायम

मुरैना। शहर के जीवाजीगंज क्षेत्र में रहने वाले एक युवक ने रविवार-सोमवार की रात को अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। जानकारी के अनुसार राहुल गुप्ता 35 पुत्र घनश्याम गुप्ता रविवार की रात को खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने चला गया था। सोमवार की सुबह जब राहुल सोकर नहीं उठा, तब परिवार के सदस्य उसे जगाने के लिए कमरे में पहुंचें, जहां राहुल फंदे पर झूलता हुआ मिला। सूचना मिलने के बाद कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंचीं और शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

कार्यालय नगरपालिक निगम, मुरैना (म.प्र.)
Office of the Municipal Corporation, Morena (M.P.)

Address - Town Hall Parishar Jiwaji Ganj Morena (M.P.)- 476001
Email :- commmorena@mpurban.gov.in
Phone No. : 07532-226020

क्रमांक/वि.पं./2026/662 मुरैना, दिनांक - 16/02/2026

इश्तहार सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक (वर) राहुल शर्मा पुत्र गिरीशचन्द्र शर्मा निवासी- जैन बगीची मवासीपुरा एम.एल.ए. गली मुरैना द्वारा विवाह पंजीयन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। वधु प्रियंका तिवारी पुत्री बनवारी तिवारी निवासी- पंचमपुरा सरसैनी मुरैना का विवाह दिनांक- 04.12.2025 आरएमडी पैलेस बड़ोखर इमलिया रोड मुरैना पर हिन्दू रीति-रिवाज से सम्पन्न विवाह के आधार पर इस निगम में नियमानुसार विवाह का पंजीयन किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में अगर किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह 07 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति निगम कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत अवधि के पश्चात् कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी, और प्रस्तुत आवेदन के आधार पर विवाह पंजीयन कर दिया जावेगा।

रजिस्ट्रार
विवाह पंजीयन
नगरपालिक निगम, मुरैना

गबन प्रकरण में चिन्हित सोनू कुमार मीणा निलंबित

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। अधीक्षक डाकघर, चंबल संभाग मुरैना ने जानकारी देते हुए बताया कि शासकीय धनराशि के गबन प्रकरण में दोषी पाए जाने पर प्रधान डाकघर भिंड में पदस्थ डाक सहायक एवं कार्यवाहक खजांची सोनू कुमार मीणा को निलंबित कर दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लगभग 2 करोड़ 12 लाख रुपये के गबन प्रकरण में संलिप्तता पाए जाने पर संबंधित कर्मचारी के विरुद्ध केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 1965 के नियम 14 के अंतर्गत आरोप-पत्र जारी किया गया है।

आरोप-पत्र पंजीकृत डाक के माध्यम से प्रेषित किया गया था, किंतु निलंबन अवधि के दौरान निर्धारित मुख्यालय प्रधान डाकघर मुरैना तथा उनके मूल निवास पते कृ ग्राम लौरबाड़ा, तालाबगांव, तहसील लालसौट, जिला दौसा (राजस्थान) - पर भेजे गए पत्र अवितरित लौट आए हैं।

अधिकारी अधिक से अधिक खसरा-खतौनी का वितरण कराएंः कलेक्टर

संकल्प से समाधान अभियान के तहत जिले में 64 हजार 449 आवेदनों का निराकरण

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में संचालित संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत नागरिकों से प्राप्त आवेदनों के निराकरण की प्रक्रिया प्रभावी रूप से जारी है। अभियान के प्रथम चरण में अब तक कुल 64 हजार 449 आवेदनों का सफलतापूर्वक निराकरण किया जा चुका है। निराकृत प्रकरणों में से 63 हजार 927 आवेदन स्वीकृत किए गए हैं, जिनके माध्यम से पात्र हितग्राहियों को केंद्र एवं राज्य शासन की विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ प्रदान किया गया है। वहीं 522 आवेदन निर्धारित नियमों के अनुरूप अस्वीकृत किए गए हैं।

कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ के निर्देशानुसार अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पंचायत, नगरीय निकाय एवं जिला स्तर पर समितियों का गठन किया गया है। प्रथम चरण (12 जनवरी से 15 फरवरी) के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत स्तर तथा शहरी क्षेत्रों में वार्ड स्तर पर गठित दलों द्वारा घर-घर संपर्क स्थापित कर एवं शिविरों के माध्यम से आवेदन एवं शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संकल्प से समाधान अभियान में अधिकारी अधिक से अधिक भूधारकों को खसरा-खतौनी वितरित कराएं।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मुरैना (म0प्र0)

कमांक/क्यू/3/मा.रा./खनिज/2026/194 मुरैना,दिनांक- 10/02/2026

(म.प्र.गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18 (1–क) के अर्न्तगत उत्खनिपट्टा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति जो लागू हो प्राप्त करने के लिए)

द्वितीय सूचना

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक श्री फेरन सिंह पुत्र श्री परिमाल सिंह नि0–डॉ0 कौशल वाली गली, रविदास नगर, आमपुरा वार्ड नं0 41, अटल बिहारी, मुरैना (म0प्र0) द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाइन आवेदन पत्र कमांक 38778 दिनांक– 28.12.2025 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना कमांक–1791 दिनांक– 31.12.2025 प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः दिनांक– 02/03/2026 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाइन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई–खनिज पोर्टल **http://ekhanij.mp.gov.in** पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नम्बर	रकबा	भूमि का प्रकार निजी/शासकीय	खनिज का नाम	रिमार्क
मुरैना	बामौर	उरहाना	1244	4.000 हे0	शास0 भूमि	फर्सीपत्थर गिट्टी बोल्डर एम–सेण्ड उत्खनिपट्टा	

1– उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाइन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारिख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सांय 5:30 बजे तक) ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।

2– यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक प्रथम सूचना से प्राप्त आवेदन को शामिल करते हुये 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।

3– यदि इस प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करनें की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।

4– यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नही होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृत पर विचार किया जा सकेगा।

5– निर्धारित समयाबधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जाएगा।

G25867/25

जिला खनि अधिकारी
(खनिज शाखा)
जिला मुरैना (म0प्र0)

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मुरैना (म0प्र0)

कमांक–क्यू/3/मा.रा./खनिज/2026/185 मुरैना,दिनांक– 10/02/2026

(म.प्र.गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18 (1–क) के अर्न्तगत उत्खनिपट्टा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति जो लागू हो प्राप्त करने के लिए)

प्रथम सूचना

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री रघुवीर सिंह तोमर पुत्र श्री छोटे सिंह तोमर नि0–नई पानी की टंकी के पास सुभाष नगर मुरैना द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाइन आवेदनपत्र कमांक 39175 दिनांक– 05.02.2026 को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक–17/03/2026 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति आवेदन ऑनलाइन आंमत्रित किये जाते है। आवेदन ई–खनिज पोर्टल **http://ekhanij.mp.gov.in** प्रस्तुत किये जावेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नम्बर	रकबा	भूमि का प्रकार निजी/शासकीय	खनिज का नाम	रिमार्क
मुरैना	बामौर	भटपुरा डांग	222 247 249 250 286	30.000 हे0	शास0 भूमि	गिट्टी मुरम उत्खनिपट्टा	

1– उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाइन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों सें विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारिख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक) ऑनलाइन पत्र आमंत्रित किये जाते है।

2– यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदको के आवेदन पत्र प्राप्त होते है। तो प्रथम आवेदन पत्र एवं अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जायेगा।

3– यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते है। तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी । विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे । उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।

4– निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जाएगा।

G25856/25

जिला खनि अधिकारी
(खनिज शाखा)
जिला मुरैना (म0प्र0)

अभिभाषकों ने हत्या के विरोध में काम बंद हड़ताल की

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। 2 दिन पूर्व करेरा में हुई एक एडवोकेट की हत्या के विरोध में जिला न्यायालय ग्वालियर में सभी अभिभाषकों ने अपना कार्य नहीं किया। इसी कार्यक्रम में कांग्रेस लीगल सेल के जिला अध्यक्ष विकास शर्मा एडवोकेट ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का पुतला दहन किया और वकीलों के लिए एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट की मांग की। साथ में सभी साथी लीगल सेल के अधिवक्ता चैन सिंह राजपूत, अंकित वशिष्ठ, श्याम रजक, बृजेश तिवारी, मनोज शर्मा, रामअवतार इंदौरिया, विनय शर्मा, लोकेंद्र कुशवाहा आदि उपस्थित थे।

सेवा प्रकल्पों से समाज को जोड़ने का करें नियोजनः सोलंकी

- सेवा भारती की बैठक में प्रांत संगठन मंत्री ने बताए सेवा के मंत्र

ग्वालियर। नारी शक्ति में ईश्वर ने सेवा का भाव जन्म से ही उनके व्यक्तित्व में समाहित किया है, ऐसे में हमें नवविवाहिताओ और ऐसी मातृशक्ति जो संवेदनशील होकर सेवा प्रकल्पों में समय दे सकें उन्हें प्रकल्पों से जोड़ने के लिए विस्तृत नियोजन करना चाहिए, ऐसे प्रकल्पों में मातृशक्ति की आधिकाधिक उपस्थिति हमारे प्रकल्पों को गरिमा प्रदान करेगी। यह बात सेवा भारती मध्यभारत प्रांत के संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह सोलंकी ने बैठक में कहीं।

उन्होंने कार्यकर्ताओं को सेवा मंत्र देते हुए कहा कि हमारे प्रकल्प आदर्श और आत्मनिर्भर बने इस दिशा में हमें प्रयास करना चाहिए। हमारे प्रकल्पों की सेवाभावी गतिविधियों का अधिकारी के प्रचार प्रसार हो ताकि समाज में ज्यादा से ज्यादा लोग सेवा प्रकल्पों से जुड़े हम सभी संघ की प्रेरणा से सेवा प्रकल्पों का संचालन कर रहे हैं, इसलिए उनके आदर्श होना अत्यंत जरूरी है। प्रत्येक प्रकल्प की मासिक बैठक नियमित हो ऐसा प्रयास करना चाहिए आने वाले समय में कौशल विकास पर भी हमें काम करने की आवश्यकता है। बैठक में केदारपुर स्थित सरला विनोद प्रकाश बालक छात्रावास के अध्यक्ष जगदीश प्रसाद शर्मा, जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के सचिव परांकुश शर्मा, आश्रय भवन के अध्यक्ष राजेंद्र जैन, मातृछाया से हरिकृष्ण शर्मा, दिव्यांग बालक छात्रावास के अध्यक्ष सुबोध माथुर एवं अधीक्षक राहुल उपाध्याय, बालिका छात्रावास एवं महिला आयाम से श्रीमती गीता उपाध्याय, दिशा कोचिंग से श्रीमती ज्योति भदोरिया, युवा आयाम से हर्ष छारी (सह प्रांत प्रमुख, युवा आयाम) आदि ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। बैठक में लश्कर जिला इकाई के अध्यक्ष गौरी शंकर गुप्ता,पूर्णकालिक सतेंद्र राजपूत तथा ग्वालियर जिला इकाई के सचिव डॉ. दिनेश सिंह चौहान, पूर्णकालिक अजय माहौर, आदि ने अपने-अपने जिलों में सेवा बस्तियों में चल रहे प्रकल्पों की जानकारी रखी। बैठक का संचालन एवं आभार प्रदर्शन महानगर सचिव डॉ.सुरेंद्र प्रधान ने किया। मंच पर महानगर अध्यक्ष विजय गुप्ता उपस्थित रहे।

सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करें: कलेक्टर

संकल्प से समाधान अभियान एवं जनगणना कार्य में गति लाने के निर्देश

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाई जाए तथा 50 दिवस से अधिक पुराने मामलों का समय-सीमा में त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत दर्ज प्रकरणों का भी शीघ्र निपटारा कर प्रगति लाना सभी विभागों की जिम्मेदारी है।वह सोमवार को टीएल बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कमलेश कुमार भार्गव, अपर कलेक्टर अश्विनी कुमार रावत, समस्त एसडीएम, जिला अधिकारी, जनपद सीईओ, तहसीलदार एवं नगरीय निकायों के सीएमओ उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत विभिन्न सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुँचे और अभियान में निरंतर प्रगति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पंचायत स्तर पर राजस्व वसूली बढ़ाने के निर्देश देते हुए इसके लिए प्रभावी आईईसी गतिविधियाँ संचालित करने को कहा।

इसके अतिरिक्त उन्होंने एकल नल-जल योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश पीएचई विभाग को दिए तथा कहा कि सभी योजनाओं में तेजी लाकर जिले की रैंकिंग में सुधार लाया जाए।कलेक्टर ने नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन के 3 से 6 माह से लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर पेंडेंसी शून्य करने के निर्देश दिए।उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों से कहा कि विभाग की महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक मिशन मोड में पहुँचाया जाए तथा लक्ष्य निर्धारित कर समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण किया जाए।

ओजस्विनी विचार मंच की बजट भेंटवार्ता सम्पन्न

ग्वालियर। ओजस्विनी विचार मंच ने बजट 2026 - 27 पर एक भेंटवार्ता एवं वैचारिक संवाद का आयोजन ऑनलाइन गूगल मीट पर किया। इस भेंटवार्ता में बजट की रूप रेखा, उसके सामाजिक, आर्थिक और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव तथा राष्ट्र के निर्माण में उसकी भूमिका पर सारगर्भित और तथ्यपूर्ण चर्चा की गई। स्टेट बैंक ऑफइंडिया से सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक डॉ प्रहलाद सवनानी एवं एमिटी यूनिवर्सिटी ग्वालियर की सहप्राध्यापक डॉ मीनाक्षी त्रिपाठी विषय विशेषज्ञ थे। ईसीएस ग्रुप ऑफस्कूल की शैक्षणिक निदेशक श्रीमती नंदिता चतुर्वेदी ने भेंटवार्ता में ग्वालियर और अन्य शहरों से जुड़ी लगभग 55 ओजस्विनी बहनों के बजट से संबंधित प्रश्न विशेषज्ञों से पूछे। एडवोकेट प्रीता बोहरे द्वारा राष्ट्रभक्ति गीत प्रस्तुत किया गया। ओजस्विनी विचार मंच का परिचय डॉ अनीता सेठी द्वारा दिया गया। डॉ सवनानी ने बजट को विस्तार से बताते हुए कहा कि इस बार बजट मुख्य तीन बिन्दुओं आर्थिक विकास दर, युवा शक्ति और मातृशक्ति पर केंद्रित कर प्रस्तुत किया गया है। डॉ मीनाक्षी त्रिपाठी ने शी मार्ट, पर्यटन, संस्कृति, शिक्षा, महिला सशक्ति करण, स्वास्थ्य कला आदि विषयों पर पूछे गए प्रश्नों के सटीक उत्तर दिए। कार्यक्रम का संचालन डॉ साधना पालीवाल ने किया। उपाध्यक्ष डॉ ऋषु नामधारी द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

अचलेश्वर मंदिर पर चला सफाई अभियान, सफाई मित्रों का किया सम्मान

ग्वालियर। अचलेश्वर महादेव मंदिर परिसर एवं आसपास क्षेत्र में सोमवार को स्वच्छता टोली द्वारा पावन संकल्प के साथ विशेष स्वच्छता एवं जनजागरण अभियान चलाया गया। इस अवसर पर समर्पित सफाई मित्रों का भावपूर्ण सम्मान भी किया गया। आयोजन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ग्वालियर विभाग सह कार्यवाह मुनेंद्र कुशवाह, पद्मश्री कंवल सिंह चौहान (फादर ऑफ बेबी कॉर्न), विवेक भदौरिया, धर्मेंद्र आर्य, सुधीर अग्रवाल, व्यवसायी दिनेश जैन कांटेवाले, शिशिर श्रीवास्तव, अंकित अग्रवाल, नरसिंह सिकरवार, करुणा सक्सेना सहित टोली के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। अतिथियों ने सफाई मित्रों के समर्पण को नमन करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि समाज के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी और संस्कार है। सफाई मित्रों का समर्पण और निष्ठा हम सभी के लिए अनुकरणीय है।

यातायात को अवरूद्ध कर रहे फ टपाथियों को हटाया

ग्वालियर। नगर निगम के मदाखलत अमले ने सुगम यातायात के लिए शहर के विभिन्न स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण हटाया। मदाखलत अधिकारी रवि कोरी ने बताया कि नोडल अधिकारी केशव सिंह चौहान के निर्देशन में दक्षिण विधानसभा अंतर्गत नजरबाग मार्केट एवं सुभाष मार्केट पर यातायात को अवरुद्ध कर रहे फुटपाथियों का सामान जप्त करने की कार्रवाई की है। कार्रवाई में मदाखलत निरीक्षक विशाल जाटव एवं दक्षिण विधानसभा अमला उपस्थित रहा।

जिला जनगणना समन्वय समिति की बैठक 24 को

ग्वालियर। जिला जनगणना समन्वय समिति की बैठक 24 फरवरी को बुलाई गई है। इस दिन यह बैठक प्रातः 10.30 बजे से कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित होगी। ज्ञात हो जनगणना 2027 से संबंधित गतिविधियों के सफल संचालन एवं पर्यवेक्षण के लिये कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान की अध्यक्षता में जिला जनगणना समन्वय समिति का गठन किया गया है। इस समिति में निगम आयुक्त संघ प्रिय, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत, संयुक्त कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी अनिल बनवारिया, प्रभारी जिला योजना अधिकारी सूर्यकांत त्रिपाठी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी श्रीमती तृप्ति निगम, जिला शिक्षा अधिकारी हरिओम चतुर्वेदी, प्रभारी परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण श्रीमती भूमिजा सक्स

रंगारंग होली धमाल 4 को

ग्वालियर। श्री अग्रवाल शक्ति ग्वालियर द्वारा होली के अवसर पर 4 मार्च को जीवायएमसी मैदान में रंगोत्सव होली धमाल का आयोजन किया गया है। मुख्य आयोजक आनंद अग्रवाल रंग वाला ने बताया कि इस अवसर पर प्रातः 8.30 से रात्रि 11 बजे तक होली खेली जाएगी। शाम 5 से रात्रि 11 बजे तक जीण माता का मंगल पाठ, भजन संध्या एवं इत्रों की होली के साथ प्रसादी कार्यक्रम रहेगा। इस अवसर पर कलकत्ता के भजन गायक नीरज अग्रवाल प्रस्तुति देंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में तीनों शहर के अग्रवाल समाज के संगठनों के पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया है।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह आज आएंगे

ग्वालियर। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह 17 फरवरी को नई दिल्ली से विमान द्वारा ग्वालियर आयेंगे और ग्वालियर आकर डबरा नवग्रह मंदिर में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। वह डबरा से ग्वालियर आकर 7.30 बजे शताब्दी एक्सप्रेस से दिल्ली रवाना हो जाएंगे।

नंदगांगोली स्थित खूबेश्वर महादेव मंदिर पर आबकारी ठेकेदार नवल सिंह शिवहरे ने सपरिवार किया भगवान आशुतोष का अभिषेक

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। महाशिवरात्रि के पुनीत अवसर पर नंदगांगोली ग्राम स्थित खूबेश्वर महादेव मंदिर पर आबकारी ठेकेदार नवल सिंह शिवहरे द्वारा सपरिवार भोले बाबा का पंचोपचार पूजन किया गया। इस अवसर पर राजेन्द्र शिवहरे, मनीष शिवहरे, शेखर शिवहरे, बंटी शिवहरे, सौरव शिवहरे (सोनू), वीर प्रताप शिवहरे, युवराज शिवहरे, लक्षित शिवहरे (कान्हा), काव्या, अनाहिता आदि मौजूद थे।

उक्ताशय की जानकारी देते हुए आबकारी ठेकेदार नवल सिंह शिवहरे ने बताया कि भगवान शिव अपने भक्तों पर अतिशीघ्र प्रसन्न होते हैं। भोले बाबा को किसी विशेष विधि विधान की आवश्यकता नहीं होती है। वे तो जल, गंगाजल, दूध, दही, धतूरा, बिल्बपत्र, बेर इत्यादि सामग्री से प्रसन्न हो जाते हैं। उन्होने बताया कि शिवपुराण में भगवान शिव के संबंध में विस्तार से बताया गया है। भोले बाबा अपने भक्तों की परेशानियों को अतिशीघ्र दूर करते हैं, लेकिन इसके लिए भगवान शिव के प्रति भक्त का समर्पित होना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि खूबेश्वर महादेव मंदिर पर समय-समय पर धार्मिक आयोजनों का कार्यक्रम होता रहता है। उन्होंने सभी के सहयोग के लिए हृदय से आभार भी व्यक्त किया।

निर्माणाधीन छात्रावास की बाउंड्री तोड़ने पर ठेकेदार की जेसीबी जप्त, एफआईआर दर्ज

ग्वालियर। हुरावली में शासन द्वारा विशेष पिछली जनजाति के छात्रों के लिए 250 सीटर छात्रावास का निर्माण किया जा रहा है। रविवार की शाम को छात्रावास के पास स्थित रेजिडेंसी के ठेकेदार ने जेसीबी से छात्रावास की बाउंड्री वॉल तोड़ दी । साथ ही निर्माण सामग्री भी मिट्टी से दबा दी। सूचना मिलने पर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने तत्काल जिला प्रशासन एवं पुलिस की टीम मौके पर भेजा। टीम ने ठेकेदार की जेसीबी जप्त कर ठेकेदार के खिलाफएफआईआर दर्ज कराई गई है।

मध्य प्रदेश शासन द्वारा विशेष पिछड़ी जनजाति के लिए छात्रावास का निर्माण पीडब्ल्यूडी विभाग के द्वारा किया जा रहा है। रविवार को राधा रेजिडेंसी के ठेकेदार सोनू शर्मा द्वारा छात्रावास की बाउंड्री जेसीबी से तोड़ दी। साथ ही छात्रावास के निर्माण के लिए लाई गई सामग्री को मिट्टी से दवा दिया। इस घटना की सूचना स्थानीय लोगों द्वारा दी गई । सूचना मिलते ही कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग की टीम को तत्काल मौके पर पहुंच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए । टीम जब मौके पर पहुंची तब वहां पर जेसीबी से निर्माण सामग्री में मिट्टी मिलाई जा रही थी । टीम ने तत्काल मौके पर जेसीबी को जप्त किया और बाउंड्री वॉल तोड़ने वाले सोनू शर्मा के खिलाफथाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

इब्राहिम पठान जिला संगठन महामंत्री बने, स्वागत हुआ

ग्वालियर। मुरार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर जिला कांग्रेस संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करने हेतु नवनियुक्त जिला संगठन महामंत्री इब्राहिम पठान का कांग्रेसजनों ने हार-फूल मालाओं से आत्मीय स्वागत किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव ने कहा कि श्री इब्राहिम पठान की नियुक्ति संगठन को मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके अनुभव, संगठनात्मक क्षमता और जुझारू नेतृत्व से जिले में कांग्रेस संगठन को नई गति मिलेगी तथा बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने का अभियान और तेज होगा। इस अवसर पर नवनियुक्त संगठन महामंत्री इब्रहिम पठान ने सभी वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष विनोद कुमार जैन, मंगल यादव, सौरभ जैन, राजेश बाबू, हितेन्द्र यादव, जसवंत शेजवार, दाउ मुदगल सहित अनेक कांग्रेसजन सम्मिलित थे।

4 दिन में तीन बार लापता हुआ नाबालिग छात्र, भोपाल में मिला

ग्वालियर। चार दिन पहले लापता हुआ 10 साल के बालक को आखिरकार पुलिस ने भोपाल के बैरागढ़ के पास से बरामद कर लिया है। पुलिस बालक को लेकर ग्वालियर आ गई है। चार दिन में बालक तीन बार लापता हुआ है। नाबालिग छात्र बेहद तेज दिमाग का है। 2 दिन पहले वह बीना रेलवे स्टेशन पर आरपीएफको मिला था।

शहर के झांसी रोड थाना क्षेत्र के शनिदेव मंदिर मांढरे की माता मंदिर के पास रहने वाला दस वर्षीय बेटा 12 फरवरी को घर से अचानक गायब हो गया था। नाबालिग कक्षा चार का छात्र है। लापता बालक की तलाश में परिजन ने रिश्तेदार, दोस्तों के यहां उसकी छानबीन की, लेकिन वह कहीं नहीं मिला। जब नाबालिग छात्र कहीं नहीं मिला तो परिजन ने उसी दिन रात को झांसी रोड थाना पहुंचकर मामले की सूचना दी। लापता की उम्र सिर्फ 10 साल होने का पता लगा तो पुलिस ने भी गंभीरता से तलाश शुरू कर दी थी। लापता होने की घटना के चौथे दिन नाबालिग छात्र भोपाल के पास बैरागढ़ में मिला। झांसी रोड थाना पुलिस की टीम ने उसे वहां पहुंचकर अपनी निगरानी में ले लिया। ग्वालियर आने के बाद परिजन के सुपुर्द कर दिया है।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मै. अंजली पब्लिकेशन एबी रोड़ मथुरा से मुद्रित, एवं ए-44-फस्ट फ्लोर, अशोका इन्क्लेव, पार्ट-2 सेक्टर- 37 फरीदाबाद हरियाणा (NCR) से प्रकाशित,
आरएनआई नं. एचएआरएचआईएन /2009/ 28496 संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे। मो. 9958434103 सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा।